दैनिक
नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक
K ✌ K
RNI No.61546/95

क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे
नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-32 अंक-82 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) मंगलवार 05 मई 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

बापू की बातें

यदि यह मेरी धृष्टता न समझी जाए तो मेरा दावा है कि जैसे आज मैं देश के लिए जी रहा हूँ उसी प्रकार मुझमें देश के लिए मरने की भी क्षमता है। फाँसी पर चढ़कर मरने में मुझे जरा भी भय नहीं लगता। मेरा विश्वास है कि यदि मैं निर्दोष हूँ तो मैं होंठों पर मुस्कराहट लिए फाँसी पर चढ़कर मर सकता हूँ। यदि मेरे हाथ और मेरा हृदय हिम के समान निष्कलंक और निर्दोष हैं तो मृत्यु मेरे लिए किसी प्रकार भी भयप्रद नहीं।

(03.05.1925:फरीदपुर में आयोजित बंगाल प्रांतीय परिषद् में दिए गए भाषण का अंश : सं.गां.वां. खंड 27 : पृष्ठ 31)

विधानसभा चुनाव परिणाम 2026

पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी में भाजपा की सरकार, तमिलनाडु में बड़ा उलटफेर

नई दिल्ली, (ए.)। पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी को पश्चिम बंगाल में बड़ा बहुमत प्राप्त हुआ है। इसके साथ ही भाजपा के खाते में एक और राज्य जुड़ गया। असम और पुडुचेरी में भाजपा और एनडीए की सरकार दोबारा सत्ता में लौटी है। दक्षिण के दो बड़े राज्यों केरल और तमिलनाडु में सत्ता परिवर्तन होने जा रहा है। केरल में वामदलों को हटा कांग्रेस नेतृत्व वाला गठबंधन 10 सालों बाद लौटा है। तमिलनाडु में एक साल पहले बनी एक्टर विजय की पार्टी टीवीके सबसे बड़ी पार्टी बनी है।

पश्चिम बंगाल

पश्चिम बंगाल 293 सीटों पर बहुमत के लिए 147 सीटें चाहिए। **खबर लिखे जाने तक** भारतीय जनता पार्टी यहां 206, तृणमूल कांग्रेस 81, कांग्रेस 2, माकपा को एक और अन्य को एक सीट पर जीत या आगे चल रही है। भाजपा को 45.75 प्रतिशत, तृणमूल कांग्रेस को 40.82 प्रतिशत मत मिले हैं।

तमिलनाडु

तमिलनाडु में 234 सीटों में बहुमत के लिए 118 सीटें चाहिए। यहां टीवीके 106, द्रमुक 60 सीटें, अन्नाद्रमुक 47 सीटों, पीएमके 5, कांग्रेस 5 सीटों पर आगे चल रही है। भाजपा को एक सीट मिली है और अन्य पार्टियां 11 सीटें जीती या आगे चल रही है। टीवीके को 34.91 प्रतिशत, द्रमुक को 24.19 प्रतिशत, अन्नाद्रमुक को 21.32 प्रतिशत मत मिला है।

असम

असम में 126 सीटें हैं और बहुमत के लिए 64 सीटें चाहिए। भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन को 102 सीटों पर जीत या बढ़त हासिल है। इसमें भाजपा को 82 सीटें, बोडो पीपुल्स फ्रंट को 10 सीटें और असम गण परिषद को 10 सीटों पर जीत या बढ़ मिली है। वहीं कांग्रेस को 19 सीटें, एआईयूडीएफ को 2, रायजोर दल 2, तृणमूल कांग्रेस को 1 सीट पर जीत या बढ़त मिली है। यहां सबसे बड़ी पार्टी भाजपा को 37.91 प्रतिशत तथा सहयोगी पार्टियों बोडोलैंड को 3.74 प्रतिशत, एजीपी को 6.46 प्रतिशत मत मिले हैं। गठबंधन की दृष्टि से यह आंकड़ा 48 प्रतिशत से अधिक होता है।

केरल

केरल में कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ गठबंधन 97 के आंकड़े तक पहुंचा है। इसमें कांग्रेस ने 63, इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग ने 22, केरल कांग्रेस ने 7 सीटों, रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी ने 3, राष्ट्रीय जनता दल ने 1 सीट और अन्य ने पर जीत या बढ़त बनाई है। वहीं वामदलों के नेतृत्व वाले गठबंधन को 36 सीटों पर बढ़त हासिल हुई है। गठबंधन में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) ने 26, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी 8, रिवोल्यूशनरी मार्क्सिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया, कम्युनिस्ट मार्क्सिस्ट पार्टी केरल स्टेट कमेटी ने 1-1 सीटों पर जीत या बढ़त बनाई है। अन्य पार्टियों में भारतीय जनता पार्टी को 3 और अन्य उम्मीदवार 4 पर आगे हैं।

अपनी सीट भी नहीं बचा पाई ममता...

कोलकाता (ए.)। बंगाल की सीएम ममता बनर्जी भवानीपुर में अपने गृह नगर से सुवेंदु अधिकारी से 15114 वोटों से पराजित हो गई हैं। ममता देश की ऐसी पहली सीएम है जो लगातार दो विधानसभा चुनाव एक ही व्यक्ति से हारी हैं। सुवेंदु ने 2021 में भी ममता को नंदी ग्राम में पराजित किया था।

पुडुचेरी

पुडुचेरी की 30 सीटों में बहुमत के लिए 16 का आंकड़ा चाहिए। यहां अखिल भारतीय एन.आर. कांग्रेस के नेतृत्व वाले गठबंधन ने मजबूत प्रदर्शन करते हुए कुल 18 जीत सीटों पर जीत हासिल की है। इसमें पार्टी को 12, सहयोगी भारतीय जनता पार्टी को 4, ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम और लाचिया जननायक काची को 1-1 सीट पर जीत मिली है। वहीं अन्य पार्टियों की बात की जाए तो द्रमुक को 6, कांग्रेस को 1 सीट मिली है। टीवीके को 2, नेयम मक्कल कड़गम को 1 सीट पर सफलता मिली है। इसके अलावा 3 स्वतंत्र उम्मीदवार जीते हैं।

पश्चिम बंगाल के पुरबा बर्धमान ज़िले में, 2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों की मतगणना के दौरान हुई अशांति के बाद, केंद्रीय बल कड़ी निगरानी रख रहे हैं; इसी के चलते पुरबा बर्धमान ज़िले में स्थित यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी भवन के मतगणना केंद्र पर सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया है।

मध्यप्रदेश को बनाएंगे देश की मिल्क केपिटल

सरकार खरीदेगी दूध, पशुपालकों को दिलाएगी दूध का समुचित दाम : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि ग्वालियर बहुत पुण्य भूमि है, जहां प्राचीनकाल से गौवंश और गौपालन की समृद्ध परम्परा रही है। हम पशुपालन और डेयरी को ग्रामीण अर्थव्यवस्था के मजबूत स्तंभ के रूप में तैयार कर रहे हैं। दुग्ध व्यवसाय हमारी ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। यह सभी पशुपालकों के आर्थिक स्वावलंबन का मजबूत माध्यम है। हम प्रदेश के हर किसान और पशुपालक को समृद्ध बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। सरकार डेयरी क्षेत्र में नवाचार करते हुए निवेश भी बढ़ाने के लिए सभी प्रयास कर रही है। निवेश आयेगा, तो इस सेक्टर में रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे। हम हमारे युवाओं को गांवों में ही रोजगार मुहैया कराने के लिए सभी बेहतर संभावनाओं पर फोकस कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश दुग्ध उत्पादन में भी अग्रणी राज्य बने, यही हमारा लक्ष्य है। पशुपालकों और दुग्ध उत्पादकों की आमदनी में वृद्धि करने के लिए हम मिशन मोड पर काम कर रहे हैं। प्रदेश में दूध उत्पादन बढ़ाने के लिए सरकार हर जरूरी कदम उठा रही है। हम अपने प्रयासों से मध्यप्रदेश को देश का मिल्क केपिटल बनाकर रहेंगे। इसके लिए आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल, बेहतर प्रबंधन और सभी पशुपालकों एवं दुग्ध उत्पादकों की सक्रिय भागीदारी बेहद जरूरी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश को मिल्क केपिटल बनाने में ग्वालियर बड़ी भूमिका निभाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को ग्वालियर में राज्य स्तरीय पशुपालक एवं दुग्ध उत्पादक सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्ज्वलन कर सम्मेलन का शुभारंभ किया। उन्होंने पशुपालन एवं डेयरी विकास विभाग की विभिन्न योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को हितलाभ वितरित किए और सम्मेलन में मौजूद सभी को पशुपालन एवं दुग्ध उत्पादन से जुड़कर प्रदेश को मिल्क केपिटल बनाने में सहयोग देने का संकल्प भी दिलाया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर क्षेत्रीय पशुपालकों को अपने पशुधन के स्वास्थ्य एवं उपचार की स्थानीय स्तर पर सुविधा मुहैया कराने के लिए ग्वालियर में पशुओं का केयर एंड वेलनेस सेंटर खोलने, ग्वालियर के पशु स्वास्थ्य एवं उपचार केन्द्र का उन्नयन करने तथा डबरा में नया पशु चिकित्सालय खोलने की घोषणा की। सम्मेलन के दौरान प्रदेश में पशुपालकों को सरकार द्वारा दिए जा रहे प्रोत्साहन की सफलता की कहानियों तथा पशुधन विकास पर केन्द्रित वीडियो फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया।

बिहार के भागलपुर में विक्रमशिला पुल 2 हिस्सों में बंटा, 25 मीटर हिस्सा गंगा नदी में बहा

भागलपुर,(आरएनएस)। बिहार के भागलपुर में सोमवार तड़के विक्रमशिला पुल ढह गया, जिससे राज्य में पुलों के निर्माण पर सवालिया निशान खड़े होने लगे हैं। यह पुल भागलपुर और मावगछिया और सीमांचल और कोसी क्षेत्र को जोड़ने वाले गंगा नदी पर बना था। इस पुल का 25 मीटर हिस्सा टूटकर गंगा नदी में बह गया है। पुल टूटने से वाहनों को प्रतिबंधित कर दिया गया है। फिलहाल किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। विक्रमशिला पुल एक तरफ भागलपुर, बांका और झारखंड, दूसरी तरफ नवाछिया, कटिहार, पूर्णिया, सहरसा और मधेपुरा के बीच जीवनरेखा कही जाती है। भागलपुर के जिला मजिस्ट्रेट नवल किशोर चौधरी ने बताया कि पहले रविवार रात करीब 11.55 बजे पुल संख्या 133 में कुछ दिक्कत सामने आई थी, जिसके बाद तड़के 1.07 बजे पुल का पूरा हिस्सा ढह गया। घटना के बाद 4.7 किलोमीटर लंबा पुल 2 हिस्सों में बंट गया। अलर्ट जारी होने के कारण कोई अप्रिय घटना नहीं हुई।रिपोर्ट के मुताबिक, विक्रमशिला पुल को तत्कालीन मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के कार्यकाल के दौरान 2001 में खोला गया था। इस पुल की मरम्मत और रखरखाव बिहार सड़क निर्माण विभाग के राष्ट्रीय राजमार्ग इकाई और बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लिमिटेड भागलपुर करती है।

उत्तर भारत में अंधड़-बारिश से थमा प्रचंड़ गर्मी का दौर, 19 राज्यों में अलर्ट जारी

पहाड़ी राज्यों में गिरेंगे ओले

नईदिल्ली, (आरएनएस)। उत्तर भारत के कई राज्यों में अंधड़-बारिश के कारण मौसम बिगड़ा हुआ है। इससे जहां लोगों को गर्मी से राहत मिली है, वहीं तूफानी हवाएं जानलेवा साबित हो रही हैं। राजस्थान में अंधड़ के कारण हुए हादसों में रविवार को 3 लोगों की मौत हो गई। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने सोमवार को दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, पंजाब, बिहार, झारखंड, उत्तराखंड, हिमाचल, जम्मू-कश्मीर, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ समेत 19 राज्यों में बारिश और आंधी चलने की चेतावनी जारी की है।

दिल्ली समेत एनसीआर इलाके में रविवार के बाद सोमवार सुबह हुई बूंदाबांदी और ठंडी हवाओं के कारण मौसम सुहाना हो गया। मौसम विभाग ने 4 मई के लिए बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। 5 मई को भी ऐसा ही मौसम बना रहेगा, जिससे तापमान में और गिरावट आने की संभावना है। पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ में 6 मई तक बारिश होने का अनुमान है, वहीं उत्तर प्रदेश में कुछ स्थानों पर भारी बारिश और ओलावृष्टि हो सकती है।

जम्मू-कश्मीर में 5 मई तक, हिमाचल प्रदेश में 7 मई और उत्तराखंड में 8 मई तक मौसम खराब रहने के आसार हैं। इस दौरान ओले गिरने के साथ 30-50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है। जम्मू-कश्मीर में रविवार को भूस्खलन के बाद बारामूला-उरी नेशमल हाइवे बंद कर दिया गया। त्रिपुरा में 3 दिनों से हो रही भारी बारिश ने किसानों को भारी नुकसान पहुंचाया है और अगले 7 दिनों तक ऐसा ही मौसम रहेगा।

एक तरफ बदले मौसम के कारण गर्मी से राहत मिली है, वहीं दूसरी तरफ तेलंगाना के कई हिस्सों में लू का प्रकोप जारी है। यहां अधिकतम तापमान 46 डिग्री तक पहुंच गया।

रेणुकास्वामी मर्डर केस:

सुप्रीम कोर्ट ने कन्नड़ एक्टर दर्शन और अन्य के खिलाफ ट्रायल पर स्टेटस रिपोर्ट मांगी

नई दिल्ली,(आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को रेणुकास्वामी मर्डर केस में कन्नड़ एक्टर दर्शन और दूसरों के खिलाफ ट्रायल कर रही बेंगलुरु कोर्ट से कहा कि वह कार्रवाई की प्रगति विवरण में एक स्टेटस रिपोर्ट (स्थिति रिपोर्ट) जमा करे, जिसमें उन गवाहों की संख्या बताई जाए जिनसे पूछताछ की गई, जिनकी सुनवाई होनी बाकी है, और केस पूरा होने में लगने वाला अनुमानित समय शामिल हो.

यह मामला जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस विजय बिश्नोई की बेंच के सामने सुनवाई के लिए आया. बेंच ने दर्शन की उस रिट याचिका पर नोटिस जारी किया जिसमें केस में बेल की मांग की गई थी.

सुनवाई के दौरान, दर्शन की ओर से पेश सीनियर वकील मुकुल रोहतगी ने कहा कि जब से सुप्रीम कोर्ट ने 14 अगस्त, 2025 को बेल खारिज की है, तब से याचिकाकर्ता ने कुल मिलाकर एक साल जेल में बिताया है.

बेंच के सामने यह दलील दी गई कि उन्हें वे बुनियादी सुविधाएं नहीं दी गईं जो एक अंडरट्रायल कैदी को दी जाती हैं. रोहतगी ने कहा कि उनके मुवक्किल को सुप्रीम कोर्ट के आदेश की वजह से क्वारंटाइन सेल में रखा गया था और उन्होंने कहा, मुझे बेसिक सुविधाएं भी नहीं मिल पा रही हैं.

चुनाव के बाद हिंसा रोकने के लिए सीएपीएफ को जारी रखने की मांग वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट का तुरंत सुनवाई से इनकार

नई दिल्ली(आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को पश्चिम बंगाल में चुनाव खत्म होने के बाद भी चुनाव के बाद होने वाली हिंसा को रोकने के लिए सेंट्रल फोर्स की तैनाती जारी रखने की मांग वाली याचिका पर तुरंत सुनवाई करने से मना कर दिया.

यह मामला चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच के सामने उल्लिखित किया गया. एक पार्टी की ओर से पेश वरिष्ठ वकील वी गिरी ने कहा कि 2021 में राज्य में चुनाव के बाद बड़े पैमाने पर हुई हिंसा को ध्यान में रखते हुए सेंट्रल फोर्स को राज्य में रहने दिया जाना चाहिए.गिरि ने मौजूदा विधानसभा चुनावों की घोषणा के बाद ऐसी हिंसा को रोकने के उपाय करने की मांग की, जिनकी गिनती चल रही है.वरिष्ठ वकील ने कहा कि उनके क्लाइंट हिंसा रोकने के लिए जरूरी फोर्स की तैनाती की देखरेख के लिए एक मॉनिटरिंग कमेटी बनाने का निर्देश चाहते हैं, जिसकी अध्यक्षता सुप्रीम कोर्ट के किसी पूर्व जज करें.

बेंच ने गिरी को हाई कोर्ट जाने को कहा. गिरी ने कहा कि नतीजे आने के बाद चुनाव आयोग का रोल खत्म हो जाएगा. चुनाव आयोग की तरफ से वरिष्ठ वकील डी एस नायडू ने गिरी की बात से सहमति जताई. नायडू ने कहा, गिनती पूरी होने के बाद हमारा नियम खत्म हो जाता है.गिरी ने जोर देकर कहा कि पिछली बार के ट्रेंड को देखते हुए हिंसा की संभावना ज़्यादा है. हालांकि, बेंच ने कहा कि याचिकाकर्ता को हाई कोर्ट जाना चाहिए. बेंच ने कहा, राज्य की राजनीतिक कार्यपालिका फैसला करेगी।

केरलम की जीत पर राहुल गांधी खुश

नईदिल्ली, (आरएनएस)। केरलम के विधानसभा चुनाव ने कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 100 का आंकड़ा पार कर लिया है। अकेले कांग्रेस 66 से अधिक सीट जीत रही है। इस जीत पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर अपना संदेश साझा किया है और केरलम की जनता को धन्यवाद कहा है। उन्होंने लिखा कि केरलम में प्रतिभा और क्षमता है और यूडीएफ के पास इन दोनों का सही इस्तेमाल करने का दृष्टिकोण है।

राहुल ने एक्स पर लिखा, केरलम में मेरे भाइयों-बहनों का, इस निर्णायक जनादेश के लिए, बहुत-बहुत धन्यवाद। यूडीएफ के हर नेता और कार्यकर्ता को, एक जोरदार और बेहतरीन ढंग से चलाए गए चुनावी अभियान के लिए, बधाई।

पश्चिम बंगाल में जीत के जश्न पर रोक, विजय रैलियों की नहीं होगी अनुमति

कोलकाता (आरएनएस)। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के परिणाम आते ही विजय जुलूस और जश्न पर रोक लगा दिया गया है। यह रोक एक दिन के लिए लागू रहेगी। कोलकाता पुलिस ने आदेश जारी कर बताया कि सोमवार 4 मई को शांति और सुकून बनाए रखने के लिए, चुनाव नतीजों के संबंध में कोई भी जीत का जुलूस, रैली या सार्वजनिक जश्न नहीं निकाला जाएगा। यह रोक बिना किसी छूट के सभी राजनीतिक पार्टियों या संगठनों पर एक जैसी लागू होगी।

कोलकाता पुलिस ने आदेश में बताया कि अगर कोई विजय जुलूस निकालना हो, तो वह 5 मई, 2026 को या उसके बाद, संबंधित पुलिस स्टेशन के प्रमुख से पहले अनुमति लेने के बाद ही निकाला जा सकता है। अगर किसी को अनुमति मिलती है तो उन्हें नियमों और दिशानिर्देश का पालन करना होगा।

रिकॉर्ड उपार्जन और नवाचार से बदलेगी खेती की तस्वीर : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

गेहूं स्लॉट बुकिंग की तिथि 23 मई तक बढ़ी चना-मसूर उपार्जन 28 मई तक

600 करोड़ की प्राइस सपोर्ट स्कीम से किसानों को सीधा लाभ

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि 'कृषक कल्याण वर्ष 2026' में प्रदेश सरकार ने खेती को लाभ का धंधा बनाने के लिए निर्णायक कदम उठाए हैं। रिकॉर्ड उपार्जन, भंडारण क्रांति और डिजिटल नवाचार से खेती की तस्वीर बदल रही है। सरकार का संकल्प है कि किसान अब सिर्फ अन्नदाता नहीं, बल्कि ऊर्जादाता और तकनीकदाता भी बनेगा।

उपार्जन की तिथियां बढ़ीं, किसानों को बड़ी राहत

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने बताया कि रबी विपणन वर्ष 2026-27 के लिए समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी के लिए स्लॉट बुकिंग की अंतिम तिथि 9 मई से बढ़ाकर 23 मई 2026 कर दी गई है, इससे वंचित किसान भी पंजीयन कर अपनी उपज बेच सकेंगे। गत शनिवार तक 34.73 मीट्रिक टन गेहूं का उपार्जन किया जा चुका है।

प्राइस सपोर्ट स्कीम वर्ष-2026 के तहत लगभग 600 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई है। चने और मसूर की उपज के लिए उपार्जन अवधि 30 मार्च से शुरू होकर 28 मई 2026 तक निर्धारित की गई है। चने के लिए 6.49 लाख मीट्रिक टन एवं मसूर के लिए 6.01 लाख मीट्रिक टन उपार्जन का लक्ष्य है। तुअर के लिए 1.31 लाख मीट्रिक टन का प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजा गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उपार्जित उपज का भुगतान समय पर किसानों के खातों में सुनिश्चित किया जा रहा है।

भंडारण क्षमता में ऐतिहासिक वृद्धि

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों की उपज सुरक्षित रहे, इसके लिए खाद्यान्न भंडारण योजना के तहत 3.55 लाख मीट्रिक टन नई भंडारण क्षमता निर्मित की जा चुकी है। भंडार योजना सामग्री के अंतर्गत 15 लाख मीट्रिक टन क्षमता के आधुनिक गोदाम बनाए जा रहे हैं, जिसमें से 11 लाख मीट्रिक टन क्षमता के गोदामों का पंजीयन पूरा हो गया है।

तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से 77 वर्षीय महिला की मौत, दवा लेकर लौट रही थीं घर

भोपाल (निप्र)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के पॉलिटेक्निक चौराहे पर रविवार रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में 77 वर्षीय बुजुर्ग महिला की जान चली गई। तेज रफ्तार बाइक सवार युवक ने उन्हें पीछे से जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गईं। इलाज के दौरान सोमवार तड़के उनकी मौत हो गई।पुलिस के अनुसार, मृतका पार्वती सिंह ठाकुर, निवासी बाणगंगा, प्रताप नगर, रविवार रात करीब 9 बजे दवा लेने घर से पैदल निकली थीं। वे पॉलिटेक्निक स्थित मेडिकल स्टोर से ब्लड प्रेशर और सिरदर्द की दवा लेकर वापस लौट रही थीं। इसी दौरान चौराहे पर बाइक क्रमांक एमपी 04 वीडी 3745 सवार युवक ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे के बाद आरोपी युवक ने ही घायल महिला को अस्पताल पहुंचाया और भर्ती कराकर मौके से फरार हो गया। अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी हालत बिगड़ती गई और अंतत: उन्होंने दम तोड़ दिया। मृतका के दामाद भंवरलाल सोलंकी के मुताबिक, आरोपी खुद को होमगार्ड का जवान बता रहा था।

इंदौर मेट्रो के लिए एमपी ट्रांसको ने ऊर्जीकृत किया 200 एमवीए क्षमता का पॉवर ट्रांसफार्मर : ऊर्जा मंत्री श्री तोमर

भोपाल (निप्र)। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया है कि मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) ने इंदौर मेट्रो रेल परियोजना को विश्वसनीय एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति करने के लिए 220 केवी सब स्टेशन मांगलिया,इंदौर में 200 एमवीए क्षमता का नया पावर ट्रांसफार्मर स्थापित कर सफलतापूर्वक ऊर्जीकृत किया है। उन्होंने बताया कि चुनौतियों के बावजूद इंदौर जैसे शहर मे यह कार्य मेट्रो परियोजना की आवश्यकताओं के साथ ही शहर की विद्युत अधोसंरचना को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। घनी आबादी वाला शहरी क्षेत्र होने के कारण खजराना में अतिरिक्त विद्युत पारेषण अवसंरचना विकसित करना तकनीकी रूप से अत्यंत चुनौतीपूर्ण था। ऊर्जा मंत्री ने बताया कि इस महत्वपूर्ण परियोजना के लिए एमपी ट्रांसको, जबलपुर के प्लानिंग एवं डिजाइन विंग के विशेषज्ञ इंजीनियरों ने अपने तकनीकी कौशल, अनुभव एवं विशेषज्ञता का परिचय देते हुए 220 केवी सब स्टेशन मांगलिया, इंदौर में पावर ट्रांसफार्मर तथा दो फीडरों के लिए उपयुक्त स्थान का चयन किया।

विवाहिता की संदिग्ध मौत, घर में फंदे पर मिली लटकी, जांच में जुटी पुलिस

भोपाल,(निप्र)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के अशोका गार्डन थाना क्षेत्र में एक विवाहिता ने घर के भीतर फंदे पर लटककर जान दे दी। सोमवार सुबह महिला का शव कमरे में लटका मिलने से इलाके में दहशत फैल गई । पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, डोली कुमारी (28) कैलाश नगर, सेमरा इंडस्ट्रियल एरिया में अपने परिवार के साथ रहती थीं और पास की एक फैक्ट्री में काम करती थीं। उनके पति रंजीत कुशवाह ऑटो चालक हैं। परिवार में दो छोटे बच्चे भी हैं।बताया जा रहा है कि रोजाना की तरह सोमवार सुबह करीब 6 बजे सास ने डोली को गाय का दूध निकालने के लिए उठाने की कोशिश की, लेकिन वह कमरे में नहीं मिलीं। तलाश करने पर दूसरे कमरे में उनका शव दुपट्टे के सहारे फंदे पर लटका मिला। परिजनों ने तुरंत उन्हें नीचे उतारा, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी।सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है, जिससे आत्महत्या के कारणों का स्पष्ट खुलासा नहीं हो सका है। मृतका के पति ने पुलिस को बताया कि दो दिन पहले डोली अपने कार्यस्थल के एक सुपरवाइजर के साथ बाहर गई थीं, जिसे लेकर परिवार में विवाद हुआ था, हालांकि उन्होंने मारपीट से इनकार किया है।

भोपाल कूच से पहले सख्ती, दर्जनों जिलों में किसान नेता नजरबंद, मुख्यमंत्री निवास जाने की कोशिश नाकाम

भोपाल, (ए.)। मध्य प्रदेश में किसानों के प्रस्तावित भोपाल कूच से पहले ही प्रशासन ने कड़ा रुख अपना लिया। 'राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ' के बैनर तले मुख्यमंत्री आवास तक पहुंचने की तैयारी कर रहे किसान नेताओं को सोमवार सुबह कई जिलों में घरों में ही नजरबंद (हाउस अरेस्ट) कर दिया गया। वहीं, जो किसान घरों से निकल चुके थे, उन्हें रास्ते में ही रोक दिया गया।बताया जा रहा है कि करीब 30 जिलों से किसान नेता सोमवार को राजधानी पहुंचकर 15 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपने वाले थे। इसके लिए फंदा टोल नाके पर जुटने की रणनीति बनाई गई थी, लेकिन पुलिस ने आंदोलन शुरू होने से पहले ही उसे विफल करने की कोशिश की।

समाज को मानसिकता में बदलाव लाए बिना स्थायी सुधार संभव नहीं

श्रीमती रेखा यादव ने मध्यप्रदेश राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष का कार्यभार ग्रहण किया

भोपाल (निप्र)। मध्यप्रदेश में नारी सशक्तिकरण के संकल्प को नई ऊर्जा देते हुए श्रीमती रेखा यादव ने सोमवार को मध्यप्रदेश राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष के रूप में विधिवत पदभार ग्रहण किया। उनके साथ ही नवनियुक्त सदस्य श्रीमती साधना स्थापक ने भी कार्यभार संभाला। पदभार ग्रहण करने के बाद मीडिया से चर्चा करते हुए श्रीमती यादव ने कहा कि आयोग अब केवल शिकायतों के निवारण तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि महिलाओं के वैचारिक और सामाजिक सशक्तिकरण का नया अध्याय लिखेगा।श्रीमती रेखा यादव ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के विजन की सराहना करते हुए कहा कि उनका संकल्प है कि मध्यप्रदेश की हर नारी आत्मनिर्भर और सुरक्षित महसूस करे। मेरा प्राथमिक दायित्व उनके इसी विजन को साकार करना है। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि शासन की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति में खड़ी महिला तक पहुंचे।

महिला अपराधों पर कड़ा रुख अपनाते हुए श्रीमती यादव ने कहा कि कानून अपनी जगह है, लेकिन समाज की मानसिकता में बदलाव लाए बिना स्थायी सुधार संभव नहीं है। कानूनों के निर्माण से अपराधों पर पूर्णत: अंकुश नहीं लगाया जा सकता, इसके लिए मानव की सोच और सामाजिक दृष्टिकोण को बदलना नितांत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जब तक पुरुष प्रधान सोच और महिलाओं के प्रति समाज का नजरिया नहीं बदलेगा, तब तक अपराध की प्रवृत्ति में स्थायी सुधार संभव नहीं है। श्रीमती यादव ने महिलाओं का आह्वान किया कि वे स्वयं भी जागरूक बनें और अपने अधिकारों को पहचानें, क्योंकि एक जागरूक नारी ही अपने खिलाफ होने वाले अन्याय के विरुद्ध मजबूती से खड़ी हो सकती है। उन्होंने कहा कि अधिकारों की जानकारी ही बचाव की पहली सीढ़ी है। अक्सर जानकारी के अभाव में महिलाएं शोषण सहती रहती हैं। राज्य महिला आयोग अब एक मित्र और मार्गदर्शकी भूमिका निभाएगा। हम हर जिले में महिलाओं तक पहुंचेंगे ताकि वे बिना किसी डर के अपनी बात रख सकें।इस अवसर पर आयोग के सदस्य सचिव सुरेश तोमर सहित वरिष्ठ अधिकारी और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मंत्रालय में राष्ट्र-गीत एवं राष्ट्र-गान का सामूहिक गायन हुआ

भोपाल (ए.)। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री श्रीमती कृष्णा गौर और मुख्य सचिव अनुराग जैन की उपस्थिति में मई माह के प्रथम शासकीय कार्य दिवस पर सोमवार को मंत्रालय स्थित सरदार वल्लभ भाई पटेल पार्क में राष्ट्र-गीत वंदे-मातरम एवं राष्ट्र-गान जन-गण-मन का सामूहिक गायन हुआ। इस अवसर पर पुलिस बैंड ने मधुर धुनें प्रस्तुत की।इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव, अशोक बर्णवाल, संजय कुमार शुक्ला सहित मंत्रालय वल्लभ भवन,सतपुड़ा-विंध्याचल भवन के अधिकारी-कर्मचारी एवं पुलिस कर्मी उपस्थित थे।

महिला आरक्षण कानून के क्रियान्वयन की मांग तेज, महिला कांग्रेस ने शुरू किया पोस्टकार्ड अभियान

भोपाल, (संदीप पंडा)। मध्य प्रदेश महिला कांग्रेस ने महिला आरक्षण कानून के शीघ्र क्रियान्वयन की मांग को लेकर एक देशव्यापी पोस्टकार्ड अभियान की शुरुआत की है। इसी क्रम में सोमवार को भोपाल के टी.टी. नगर पोस्ट ऑफिस से प्रधानमंत्री के नाम पोस्टकार्ड भेजकर अपनी मांग दर्ज कराई गई।अभियान के दौरान महिला कांग्रेस की पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने कहा कि लंबे समय से लंबित महिला आरक्षण कानून को तत्काल प्रभाव से लागू किया जाना चाहिए। उनका मानना है कि यह कानून महिलाओं के राजनीतिक सशक्तिकरण की दिशा में एक अहम कदम साबित होगा।संगठन की ओर से यह भी मांग उठाई गई कि आरक्षण लागू करते समय सामाजिक न्याय के सिद्धांतों का पालन किया जाए और ओबीसी, एससी तथा एसटी वर्ग की महिलाओं को भी उनका संवैधानिक अधिकार और उचित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया जाए। कार्यक्रम में पूर्व पार्षद संतोष कंसाना, महासचिव रूपाली शर्मा और महक राणा, ब्लॉक अध्यक्ष रतन पांडे सहित माया विश्वकर्मा और रेखा मोड समेत कई कार्यकर्ता मौजूद रहीं। महिला कांग्रेस ने केंद्र सरकार से अपील की है कि महिला आरक्षण कानून को बिना देरी लागू करते हुए सभी वर्गों की महिलाओं के लिए समान और न्यायसंगत अवसर सुनिश्चित किए जाएं।

केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने बंगाल के रुझानों में भाजपा की बढ़त पर बंटवाई झालमुड़ी

भोपाल,(निप्र)। पश्चिम बंगाल चुनाव के रुझानों में भाजपा बहुमत का आकड़ा पार कर जबरदस्त तरीके से जीत की ओर आगे बढ़ रही है। इस खुशी के माहौल में मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने झालमुड़ी बंटवाई। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि उम्मीद नहीं पूरा विश्वास था कि महाविजय होगी, जो विश्वास था, वही नतीजे सामने आए हैं।सोमवार को पश्चिम बंगाल समेत पांच राज्यों के मतगणना के रुझान आने के बाद केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के भोपाल स्थित घर पर जबरदस्त जश्न का माहौल है। यहां ढोल नगाड़ों के साथ जश्न मनाया जा रहा है। इस दौरान मामा के घर पर जमकर आतिशबाजी हुई, साथ ही कार्यकर्ताओं में झालममूड़ी बांटी गई।इस दौरान शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि उम्मीद नहीं विश्वास पूरा था महाविजय होगी। एक संकल्प पूरा हुआ, एक सपना साकार हुआ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में श्यामा प्रसाद मुखर्जी की आत्मा गदगद होगी। बंगाल की विजय अद्भुत है, असाधारण है।

'एक्टिव मोड' में कार्य करें अधिकारी, लापरवाही पर होगी सख्त कार्रवाई - कलेक्टर प्रियंक मिश्रा

समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक में दिए स्पष्ट निर्देश, उपार्जन केंद्रों की व्यवस्थाओं पर विशेष जोर

भोपाल (निप्र)। कलेक्टर प्रियंक मिश्रा की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय-सीमा पत्रों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर श्री मिश्रा ने विभागीय कार्यों की गहन समीक्षा करते हुए सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे पूरी तरह 'एक्टिव मोड' में रहकर शासकीय दायित्वों का निर्वहन करें तथा कार्यों में किसी प्रकार की शिथिलता न बरतें।बैठक के दौरान कलेक्टर श्री मिश्रा ने जिले के विभिन्न उपार्जन केंद्रों पर किए जा रहे निरीक्षणों की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि उपार्जन केंद्रों पर किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। इसके लिए पेयजल, छाया, बैठने की व्यवस्था सहित सभी मूलभूत सुविधाएं अनिवार्य रूप से सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने इन व्यवस्थाओं के अगले 10 दिनों तक जमीनी स्तर पर सतत् और प्रभावी फॉलो-अप के निर्देश भी दिए। कलेक्टर श्री मिश्रा ने विभिन्न आयोगों से प्राप्त लंबित शिकायतों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी शिकायतों का समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण एवं संतोषजनक निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि शिकायतों के निराकरण में लापरवाही किसी भी स्तर पर स्वीकार नहीं की जाएगी। जाति प्रमाण पत्रों के लंबित प्रकरणों पर कलेक्टर श्री मिश्रा ने कड़ा रुख अपनाते हुए संबंधित अधिकारियों के प्रति नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन स्तरों पर आवेदन लंबित हैं, वहां तत्काल प्रभाव से कारण बताओ नोटिस जारी किए जाएं।

शासकीय कार्यप्रणाली को अधिक पारदर्शी एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से कलेक्टर श्री मिश्रा ने सभी विभागों को निर्देशित किया कि समस्त कार्य अनिवार्य रूप से ई-ऑफिस प्रणाली के माध्यम से ही किए जाएं।

बैठक में कलेक्टर श्री मिश्रा ने यह भी अवगत कराया कि आगामी दिनों में प्रत्येक विभाग की पृथक समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी। इसके लिए सभी विभागाध्यक्षों को अपनी-अपनी विभागीय कार्ययोजना (एक्शन प्लान) तत्काल तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं।

भोपाल में किसानों का अनिश्चितकालीन धरना, एसडीएम ऑफिस के बाहर डाला डेरा

भोपाल, (निप्र)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में किसानों का गुस्सा अब सड़कों पर नजर आने लगा है। सोमवार सुबह से एमपी नगर स्थित एसडीएम कार्यालय के बाहर दर्जनों किसानों ने अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया है। समर्थन मूल्य पर गेहूं की खरीदी, स्लॉट बुकिंग की अव्यवस्था, राजस्व मामलों में देरी और जमीन अधिग्रहण जैसे मुद्दों को लेकर किसान लामबंद हुए हैं।एमपी नगर और हुजूर तहसील के किसान इस आंदोलन में शामिल हैं। उनका कहना है कि बार-बार शिकायत और आवेदन देने के बावजूद समस्याओं का समाधान नहीं हुआ, जिससे उन्हें यह कदम उठाना पड़ा। किसान कुबैर सिंह राजपूत ने बताया कि तहसील से जुड़े कई मामलों में किसानों को लगातार परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इनमें गेहूं बेचने के लिए स्लॉट बुकिंग, किसान सम्मान निधि, फार्मर आईडी, सीमांकन, नामांतरण, बंटवारा, फसल बीमा और बिजली से जुड़ी समस्याएं प्रमुख हैं। उनका आरोप है कि राजस्व प्रकरणों में देरी और 'बाबूवाद' के चलते किसानों को समय पर न्याय नहीं मिल पा रहा।

राज्य आनंद संस्थान की पहल : 2160 शिक्षक होंगे आनंद सभा के प्रशिक्षक

विद्यालयों में परिपूर्ण जीवन शिक्षा की ओर कदम - आनंद सभा कार्यशालाएँ

भोपाल (निप्र) राज्य आनंद संस्थान द्वारा प्रदेश में शिक्षा को मानवीय एवं मूल्य-आधारित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के अंतर्गत प्रदेश के शासकीय स्कूली शिक्षकों के लिये 6 दिवसीय आवासीय कार्यशालाओं की श्रृंखला आयोजित की जा रही है, जिसका शुभारंभ वाल्मी, ईटीसी सेंटर नीलबड़ और राज्य आनंद संस्थान में मुख्य कार्यपालन अधिकारी आशीष कुमार ने किया। इस व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत कुल 18 कार्यशालाएँ आयोजित होंगी, जिनमें प्रदेश के सभी जिलों से लगभग 2160 शिक्षक सहभागिता करेंगे।राज्य आनंद संस्थान के मुख्य कार्यकारी अधिकारी आशीष कुमार ने कहा कि आनंद सभा के अंतर्गत हमारा लक्ष्य है कि विद्यालयों में आनंद सभा के माध्यम से विद्यार्थियों को जीवन के गहरे मूल्यों से जोड़ा जाए। यह पहल शिक्षा व्यवस्था में एक सांस्कृतिक परिवर्तन का प्रयास है। जब शिक्षक स्वयं इन मूल्यों को आत्मसात करेंगे, तभी वे विद्यार्थियों तक इन्हें प्रभावी ढंग से पहुँचा पाएंगे। आनंद सभा मूल्य आधारित शिक्षा की दिशा में एक महत्वाकांक्षी सतत प्रयास है।राज्य आनंद संस्थान के निदेशक सत्यप्रकाश आर्य ने कहा कि आनंद सभा विद्यालयों में विद्यार्थियों के समग्र विकास और आंतरिक आनंद का एक सशक्त माध्यम है।

आयकर विभाग ने कर्मचारियों और अधिकारियों ने किया धरना प्रदर्शन

जबलपुर (ए.)। आयकर विभाग कार्यालय में कर्मचारियों और अधिकारियों ने आयकर कर्मचारी महासंघ और आयकर राजपत्रित अधिकारी संघ के संयुक्त नेतृत्व में धरना-प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन में बड़ी संख्या में अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने लंबित मांगों को लेकर आवाज उठाई। हक नहीं तो काम नहीं, वादा निभाओ, अधिकार दिलाओ का नारा लगाया। समस्याओं के समाधान नहीं होने पर कर्मचारियों में भारी रोष और निराशा व्याप्त है। मांग की गई है कि कैडर रिव्यू को तत्काल पूरा कर पदोन्नति में ठहराव समाप्त किया जाए, 2014 बैच के पीआर अधिकारियों की वरिष्ठता और प्रमोशन संबंधी विसंगतियों को दूर किया जाए। आईआरएस नियमों में आवश्यक संशोधन करने, इंस्पेक्टर, ओएस और टीए के भर्ती एवं पदोन्नति नियमों में सुधार तथा आईसीटी नीति को पुन: प्रभावी ढंग से लागू करने की मांग की गई है।

अनूपपुर में समझाइश से टला बाल विवाह, प्रशासन और पुलिस की सक्रियता से रुकी रस्में

अनूपपुर(ए.)। मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले में बाल विवाह की एक संभावित घटना को समय रहते रोक लिया गया। विकासखंड पुष्पराजगढ़ के राजेंद्रग्राम क्षेत्र में सूचना मिलने पर महिला एवं बाल विकास विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर परिजनों को समझाइश दी, जिसके बाद विवाह को स्थगित कर दिया गया।

महिला एवं बाल विकास विभाग की सहायक संचालक मंजूषा शर्मा ने बताया कि कलेक्टर हर्षल पंचोली के निर्देशन में जिले में बाल विवाह रोकने के लिए लगातार निगरानी की जा रही है। सोमवार को मिली सूचना के आधार पर विभागीय टीम पुलिस बल के साथ संबंधित परिवार के घर पहुंची और उन्हें बाल विवाह निषेध अधिनियम के प्रावधानों की जानकारी दी।टीम ने परिजनों को कम उम्र में विवाह के सामाजिक और स्वास्थ्य संबंधी दुष्परिणामों के साथ-साथ कानूनी सजा के बारे में विस्तार से समझाया। काउंसलिंग के बाद परिवार ने सहमति जताते हुए विवाह को तत्काल रोक दिया।कलेक्टर हर्षल पंचोली ने इस कार्रवाई के बाद संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि ग्रामीण क्षेत्रों में सतत निगरानी बनाए रखें और ऐसे मामलों में तुरंत हस्तक्षेप करें।

इंदौर के जैन मंदिर में बड़ी चोरी, गर्भगृह से चोरों ने चुराई चांदी की मूर्तियां, 28 कलश समेत 10 लाख का माल चोरी

इंदौर,(ए.)। मध्य प्रदेश के इंदौर जिले के सुपर कॉरिडोर क्षेत्र में स्थित ग्रेटर बाबा जैन मंदिर को निशाना बनाते हुए अज्ञात बदमाशों ने सोमवार तड़के लाखों की चोरी को अंजाम दिया। शातिर चोरों ने मंदिर के सुरक्षा घेरे को धता बताते हुए भगवान की 5 बेशकीमती चांदी की मूर्तियां और अष्टधातु की प्रतिमाओं सहित करीब 10 लाख रुपए से अधिक का माल चोरी कर लिया। जानकारी के अनुसार, ग्रेटर बाबा जैन मंदिर में लगे कैमरों की फुटेज खंगालने पर पुलिस को चौंकाने वाली जानकारियां मिली हैं। फुटेज के अनुसार बदमाश रात ठीक 2:18 बजे मंदिर परिसर में दाखिल हुए। चोरों ने करीब 42 मिनट तक मंदिर के अंदर रुककर इत्मीनान से कीमती सामान इकट्ठा किया और ठीक 3:00 बजे वहां से फरार हो गए। बताया जा रहा है कि बदमाशों ने पहले मंदिर की रेकी की थी। एक आरोपी दीवार फांदकर अंदर घुसा और गर्भगृह के शटर व दरवाजों के ताले तोड़ दिए।

क्या-क्या ले गए चोर?

जैन समाज के सदस्यों और श्रद्धालु अशोक जैन के अनुसार, चोरी गए सामान की सूची काफी लंबी है। बदमाशों ने गर्भगृह से 5 चांदी की प्राचीन मूर्तियां, अष्टधातु की दुर्लभ प्रतिमाएं, एक शिला, 28 कलश और 2 शांति धारा के पात्र चोरी कर लिए हैं।

चौकीदार बोला- मेरी नींद नहीं खुली

मंदिर की सुरक्षा में तैनात राकेश त्रिवेदी ने बताया कि उसने रविवार रात 10:30 बजे मंदिर के पट बंद किए थे। सुबह 5 बजे जब एक महिला श्रद्धालु दर्शन करने पहुंची, तब उसे पता चला कि दरवाजे टूटे हुए हैं और मूर्तियां गायब हैं। चौकीदार का कहना है कि उसे पूरी रात कुछ भी सुनाई नहीं दिया। साल 1998 में बने इस भव्य मंदिर में हुई इस घटना के बाद जैन समाज में भारी आक्रोश है और उन्होंने मौके पर पहुंचकर विरोध प्रदर्शन भी किया।

चोरी का पुराने मामलों से जुड़ाव

एरोड्रम थाना पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस का मानना है कि इस गिरोह का हुलिया उन्हीं बदमाशों से मिलता-जुलता है, जिन्होंने पिछले दिनों शहर के अन्य जैन मंदिरों में चोरियां की थीं। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि आरोपी बाइक से आए थे। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की शिनाख्त शुरू कर दी है और जल्द ही गिरफ्तारी का दावा किया है।

पत्नी से विवाद के बाद कारोबारी ने खुद को मारी गोली, मौत

इन्दौर (ए) एक सनसनीखेज घटनाक्रम में कल देर रात शहर प्रतिष्ठित कारोबारी सुधीर पाटनी पिता राजवीर पाटनी ने अपने घर में ही खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। उनका हार्डवेयर का कारोबार है। मामला लसूडिया थाना क्षेत्र का है। और मृतक सुधीर पाटनी बांबे हास्पिटल का समीप शांति निकेतन कालोनी में अपनी पत्नी के साथ रहते थे। उनके दो बच्चे एक बेटा और एक बेटी हैं जो विदेश में रहते हैं। बताया जा रहा है कि सुधीर का यह कदम उठाने से पहले अपनी पत्नी के साथ विवाद हुआ था जिसके फलस्वरूप ही उन्होंने यह कदम उठाया। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम हेतु भिजवा कार्रवाई शुरू कर दी है। डीसीपी जोन-2 अमरेंद्र सिंह चौहान के अनुसार सुधीर पाटनी और उनकी पत्नी के बीच में रात में विवाद हुआ था। इसके बाद पाटनी कमरे में गए और खुद को गोली मार ली। पुलिस को प्रारंभिक जांच में पता चला है कि पाटनी की पत्नी आज दोपहर की फ्लाइट से बच्चों के पास विदेश जाने वाली थीं, लेकिन रात में पाटनी ने पत्नी से कहा कि वह विदेश ना जाएं। इस बात को लेकर दोनों में विवाद हो गया।

सोन तट की रेत बनी किसानों की ताकत, ककड़ी-खीरा और तरबूज से रोज़गार को नई दिशा

अनूपपुर, (ए) मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले में सोन नदी का तट अब किसानों के लिए नई उम्मीद बनकर उभरा है। नदी किनारे की रेत में की जा रही मौसमी खेती ने न सिर्फ ग्रामीणों की आय बढ़ाई है, बल्कि गर्मी के कठिन महीनों को कमाई के सुनहरे अवसर में बदल दिया है। जिले के बरबसपुर गांव सहित आसपास के क्षेत्रों में किसान रेत में ककड़ी, देसी खीरा, तरबूज और खरबूजे की खेती कर रहे हैं। नदी किनारे की नम और उपजाऊ रेत इन फसलों के लिए बेहद अनुकूल साबित हो रही है, जिससे कम लागत में बेहतर उत्पादन मिल रहा है। गर्मियों में इन फलों की मांग अधिक होने के कारण किसानों को बाजार में अच्छे दाम भी मिल रहे हैं।स्थानीय किसानों का कहना है कि यह खेती उन्होंने अपने पूर्वजों से सीखी थी, लेकिन पहले सीमित स्तर पर होती थी। अब बढ़ती मांग और बेहतर मुनाफे को देखते हुए अधिक परिवार इससे जुड़ते जा रहे हैं। रोज सुबह खेतों से ताजी उपज तोड़कर किसान नजदीकी बाजारों में बेचते हैं, वहीं कई लोग सड़क किनारे अस्थायी दुकान लगाकर सीधे ग्राहकों तक पहुंच रहे हैं।इस खेती की खास बात यह है कि इसमें लागत कम और मुनाफा ज्यादा है। किसान बताते हैं कि बीज, पानी और मेहनत के सहारे तीन महीने में फसल तैयार हो जाती है। एक परिवार रोजाना 2 से 3 हजार रुपये तक कमा लेता है, जिससे घर का खर्च, बच्चों की पढ़ाई और अन्य जरूरतें आसानी से पूरी हो रही हैं। इसके साथ ही गांव में रोजगार के अवसर बढ़ने से पलायन में भी कमी आई है। महिलाएं भी इस खेती में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं।

स्वच्छता सर्वेक्षण नाली सफ़ाई अभियान के तहत शहर में सफाई करायी गई

टीकमगढ़,(आरएनएस)। कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय के निर्देशानुसार डिप्टी कलेक्टर प्रभारी नगर पालिका प्रशासक श्रीमती अंजली शर्मा एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी ओमपाल सिंह भदौरिया द्वारा आज स्वच्छता सर्वेक्षण नाली सफ़ाई अभियान के तहत शहर भ्रमण के दौरान मिश्रा तिराहे से लेकर कलेक्ट्रेट तक के डिवाइडर रोड की सफाई करायी गई एवं तत्काल डिवाइडर के दोनों साइड का कचरा भरवाया गया। इसी प्रकार अम्बेडकर चौराहे से लेकर न्यू बस स्टैंड तक के रोड डिवाइडर की सफाई करायी गई एवं डिवाइडर के दोनों साइड का कचरा भरवाया गया।

व्यापार समाचार

वैश्विक बाजारों में तेजी और चुनावी नतीजों के जोश में झूम उठा शेयर बाजार, रियल्टी और आईटी में जमकर हो रही खरीदारी

मुंबई ,(आरएनएस)। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव नतीजों की गहमागहमी और वैश्विक बाजारों में मजबूती से भारतीय शेयर बाजार की शुरुआत सोमवार को सकारात्मक हुई। सेंसेक्स 343.77 अंक या 0.45 प्रतिशत की तेजी के साथ 77,257.27 और निफ्टी 66 अंक या 0.28 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,063.55 पर था।

शुरुआती कारोबार में रियल्टी और आईटी शेयरों में खरीदारी देखी गई। सूचकांकों में निफ्टी रियल्टी और निफ्टी आईटी टॉप गेनर था। निफ्टी ऑटो, निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी मेटल, निफ्टी इंडिया डिफेंस, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और निफ्टी फार्मा के साथ करीब सभी सूचकांक हरे निशान में थे।

सेंसेक्स पैक में मारुति सुजुकी, अदाणी पोर्ट्स, एचयूएल, एलएंडटी, एमएंडएम, इंडिगो, पावर ग्रिड, एनटीपीसी, एसबीआई, एचडीएफसी बैंक, बजाज फाइनेंस, टाटा स्टील, एसबीआई, एशियन पेंट्स, आईसीआईसीआई बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, ट्रेंट, बजाज फिनसर्व, इन्फोसिस, सन फार्मा, टाइटन और टेक महिंद्रा गेनर्स थे। कोटक महिंद्रा बैंक, टीसीएस, इटरनल, एचसीएल टेक, आईटीसी, बीईएल और भारती एयरटेल लूजर्स थे।

लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी तेजी बनी हुई है। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 442 अंक या 0.74 प्रतिशत की तेजी के साथ 60,226 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 128 अंक या 0.72 प्रतिशत की तेजी के साथ 18,136 पर था।

वैश्विक बाजार में तेजी बनी हुई है। हांगकांग, सोल और जाकार्ता के बाजार हरे निशान में थे। वहीं, जापान और शंघाई के बाजार राष्ट्रीय छुट्टी के चलते बंद हैं। अमेरिकी शेयर बाजार शुक्रवार को मिले जुले बंद हुए थे। मुख्य सूचकांक डाओ जोन्स 0.31 प्रतिशत की गिरावट के साथ और नैस्डैक 0.89 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ।

एक दिन में लगभग 47 लाख घरेलू एलपीजी सिलेंडर वितरित किए गए : केंद्र

नई दिल्ली,(आरएनएस)। शनिवार को देशभर में लगभग 47 लाख घरेलू एलपीजी सिलेंडर वितरित किए गए, जिससे यह संकेत मिलता है कि पश्चिम एशिया में सैन्य संघर्ष और उसके बाद होर्मुज जलडमरूमध्य की नाकाबंदी के बावजूद गैस आपूर्ति में कोई कमी या व्यवधान नहीं है।

पेट्रोलियम मंत्रालय के अनुसार, शनिवार को उद्योग के आधार पर ऑनलाइन एलपीजी सिलेंडर बुकिंग में 99 प्रतिशत की वृद्धि हुई और लगभग 47.4 लाख एलपीजी सिलेंडरों की बुकिंग के मुकाबले लगभग 47 लाख घरेलू एलपीजी सिलेंडर वितरित किए गए।मंत्रालय ने यह भी कहा कि एलपीजी वितरकों में किसी भी प्रकार की कमी की सूचना नहीं मिली है।सरकार ने यह भी आश्वासन दिया है कि पश्चिम एशिया में बदलती स्थिति के बीच ऊर्जा आपूर्ति, समुद्री संचालन और भारतीय नागरिकों को सहायता सुनिश्चित करने के लिए सभी प्रयास और उपाय किए जा रहे हैं।पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने सूचित किया कि एलपीजी की जमाखोरी और कालाबाजारी पर अंकुश लगाने के लिए देशभर में प्रवर्तन कार्रवाई जारी है।सरकारी विज्ञप्ति में कहा गया कि कल तक देशभर में 1,900 से अधिक छापे मारे गए।इसमें यह भी बताया गया है कि इस वर्ष मार्च से अब तक लगभग 6.04 लाख पीएनजी कनेक्शनों को गैसीफाइड किया जा चुका है और अतिरिक्त 2.68 लाख कनेक्शनों के लिए बुनियादी ढांचा तैयार किया गया है, जिससे कुल कनेक्शनों की संख्या 8.72 लाख हो गई है।

मध्य पूर्व में तनाव से भारत में हो सकता है करीब 800 अरब डॉलर का निवेश; एनर्जी और डेटा सेंटर पर रहेगा फोकस : मॉर्गन स्टेनली

नई दिल्ली,(आरएनएस)। दिग्गज अमेरिकी निवेश फर्म मॉर्गन स्टेनली ने अपने ताजा नोट में कहा कि मध्य पूर्व में तनाव के कारण तेल और गैस की आपूर्ति श्रृंखलाओं में बाधा आने से भारत में निवेश बढ़ सकता है और वित्त वर्ष 30 तक इन्वेस्टमेंट-टू-जीडीपी रेश्यो बढ़कर 37.5 प्रतिशत हो सकता है, जो कि फिलहाल 36.7 प्रतिशत है।

नोट में बताया गया कि ऐसे होने पर भारत में अगले पांच वर्षों में भारत में करीब 800 अरब डॉलर का अतिरिक्त पूंजीगत निवेश देखने को मिल सकता है। इसमें 60 प्रतिशत से अधिक नया निवेश एनर्जी, डेटा सेंटर्स और डिफेंस पर केंद्रित होगा।

ग्लोबल फर्म का मानना है कि पूंजीगत व्यय में इस उछाल का भारतीय शेयर बाजार पर दूरगामी प्रभाव पड़ेगा। मजबूत निवेश चक्र से जीडीपी में कॉरपोरेट मुनाफे की हिस्सेदारी बढ़ने की उम्मीद है, जिससे इस अवधि के दौरान आय में 15 प्रतिशत से अधिक की सीएजीआर वृद्धि को समर्थन मिलेगा।

मॉर्गन स्टेनली का अनुमान है कि इस गति से बाजार वित्त वर्ष 2031 की आय के 10 गुना तक पहुंच

सकता है।

इस निवेश में तेजी का कारण मध्य पूर्व संघर्ष से उजागर हुई कमजोरियां हैं, विशेष रूप से आयातित ऊर्जा और आवश्यक इनपुट पर भारत की भारी निर्भरता। नीति निर्माता आत्मनिर्भरता और जोखिम कम करने पर नए सिरे से ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

ऊर्जा क्षेत्र में, जहां भारत अपनी लगभग 85 प्रतिशत कच्चे तेल और आधी प्राकृतिक गैस की जरूरतों का आयात करता है, सरकार बहुआयामी रणनीति अपना रही है। इसमें रणनीतिक भंडारों का विस्तार, घरेलू कोयला उत्पादन और गैसीकरण को बढ़ावा देना, बेहतर ग्रिड अवसंरचना के साथ नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता को बढ़ाना और परमाणु परियोजनाओं को आगे बढ़ाना शामिल है। उर्वरकों के क्षेत्र में, डीएपी और एमओपी जैसे आयातित इनपुट पर निर्भरता कम करने के प्रयास जारी हैं, जिनसे ऐतिहासिक रूप से सब्सिडी के चलते सरकार की वित्तीय स्थिति पर दबाव पड़ता है। सरकार किसानों और राजकोशीय स्वास्थ्य दोनों की सुरक्षा के लिए घरेलू यूरिया उत्पादन बढ़ा रही है, आयात स्रोतों में विविधता ला रही है और पोषक तत्वों के अधिक कुशल उपयोग को बढ़ावा दे रही है।

रक्षा व्यय में भी संरचनात्मक बदलाव हो रहा है। भारत का लक्ष्य वित्त वर्ष 2031 तक रक्षा व्यय को सकल घरेलू उत्पाद के लगभग 2 प्रतिशत से बढ़ाकर 2.5 प्रतिशत करना है, जिसमें स्वदेशीकरण और निजी क्षेत्र की अधिक भागीदारी पर विशेष जोर दिया गया है। यह परिवर्तन हाल के खरीद रुझानों में पहले से ही दिखाई दे रहा है। इस बीच, डेटा सेंटर क्षेत्र एक प्रमुख विकास चालक के रूप में उभर रहा है। भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के साथ-साथ भारत की डेटा स्थानीयकरण नीतियों के कारण वैश्विक कंपनियां अपने बुनियादी ढांचे के विस्तार में विविधता लाने के लिए प्रोत्साहित हो रही हैं।

सोना और चांदी की कीमतों में फिर गिरावट, खरीदारी करने का बना अच्छा मौका, जानिए ताजा भाव

मुंबई ,(आरएनएस)। अमेरिका-ईरान तनाव के बीच सोने और चांदी में गिरावट का दौर जारी है और सोमवार को यह लाल निशान में खुले।मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोना का 5 जून 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 1,51,532 रुपए के मुकाबले 382 रुपए या 0.25 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,51,150 रुपए पर खुला। सुबह 10 बजे सोना 252 रुपए या 0.17 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 1,51,100 रुपए पर था। अब तक के कारोबार में सोने ने 1,50,860 रुपए का न्यूनतम स्तर और 1,51,347 रुपए का उच्चतम स्तर बनाया है। चांदी का 3 जुलाई 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 2,50,937 रुपए के मुकाबले 238 रुपए या 0.094 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 2,50,699 रुपए पर खुला। फिलहाल चांदी 574 रुपए या 0.23 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 2,50,363 रुपए पर था।चांदी ने अब तक के कारोबार में चांदी ने 2,49,760 रुपए का न्यूनतम स्तर और 2,51,231 रुपए का उच्चतम स्तर छुआ है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी में गिरावट जारी है। कॉमेक्स पर सोना 0.55 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 4,619 डॉलर प्रति औंस और चांदी 0.48 प्रतिशत की गिरावट के साथ 76.065 डॉलर प्रति औंस पर थी।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 356 , निफ्टी 121 अंक उछला

मुंबई (ए.)। घरेलू शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी रहने से आई है। इसके अलावा मध्य पूर्व में तनाव कम होने से भी बाजार उछला है। बंगाल और असम में चुनाव परिणामों में भाजपा की जीत से भी बाजार में उत्साह का माहौल है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 355.90 अंक बढ़कर 77,269.40 पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 121.75 अंक बढ़कर 24,119.30 पर बंद हुआ। व्यापक बाजारों में भी तेजी रही। निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में 0.70 फीसदी और निफ्टी मिडकैप इंडेक्स में 0.63 फीसदी की बढ़त रही।

वहीं निफ्टी रियल्टी और निफ्टी मेटल ने बेंचमार्क इंडेक्स में करीब 2.41 फीसदी और 1.09 फीसदी की तेजी रही। वहीं, निफ्टी आईटी और निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी प्राइवेट बैंक के शेयरों में गिरावट रही। निफ्टी में अदाणी पोर्ट्स के शेयर उछले, इसके अलावा आयशर मोटर के शेयरों में 3.11 प्रतिशत की तेजी आई। इसके अलावा, अदाणी इंटरप्राइजेज, श्रीराम फाइनेंस, एचयूएल, एलएंडटी, मैक्स हेल्थ, ग्रासिम, इटरनल और सिप्ला के शेयरों में भी बढ़त रही जबकि कोटक बैंक, भारती एयरटेल, डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज, ओएनजीसी, टीसीएस, इंडिगो, इंफोसिस और आईटीसी के शेयरों में गिरावट आई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ऑपरेशन फ्रीडम की घोषणा से बेंट ब्रेंट क्रूड की कीमतें 2.45 फीसदी तक गिरीं।आज एशियाई बाजारों में बढ़त रही जबकि अमेरिकी शेयर बाजार में मिश्रित रुख रहा, जिसमें एसएंडपी 500 और नैस्डैक ने रिकॉर्ड ऊंचाई पर कारोबार किया। इससे पहले आज सुबह शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 621.31 अंक चढ़कर 77,534.81 के स्तर पर पहुंच गया, जो निवेशकों के मजबूत भरोसे को दर्शाता है। वहीं निफ्टी 164.65 अंकों की बढ़त के साथ 24,162.20 पर पहुंचा। इसी तरह एशियाई बाजारों में दर्ज की गई तेजी और कच्चे तेल की कीमतों में आई गिरावट ने भारतीय बाजारों को सकारात्मक गति प्रदान की।

रुपया 11 पैसे टूटकर 94.95 प्रति डॉलर पर खुला

मुंबई (ए.)। पश्चिम एशिया में जारी तनाव से बाजारों में अस्थिरता बनी रहने के बीच रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में 11 पैसे टूटकर 94.95 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि ब्रेंट तेल की कीमत 108 अमेरिकी डॉलर के आसपास बनी हुई है जिससे भारत जैसी तेल आयात करने वाली अर्थव्यवस्थाएं दबाव में हैं। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.95 पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 11 पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया गुरुवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.84 पर बंद हुआ था। महाराष्ट्र दिवस के उपलक्ष्य में शुक्रवार को शेयर बाजार और मुद्रा बाजार बंद थे।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

मजदूरों के असंतोष

नोएडा में कारखाना मजदूर सड़क पर उतरे। वहां की घटनाओं ने उन हालात की ओर ध्यान खींचा, जिससे हाल में देश के विभिन्न हिस्सों में मजदूर आंदोलित हुए हैँ। मजदूरों के असंतोष पर सहानुभूति से ध्यान दिया जाना चाहिए।उत्तर प्रदेश के औद्योगिक शहर नोएडा में मजदूरों का उबलता असंतोष सोमवार को सड़कों पर छलक गया। हिंसा, आगजनी और पुलिस कार्रवाई ने वहां उन हालात की ओर ध्यान खींचा, जिस कारण हाल में देश के विभिन्न हिस्सों में मजदूर आंदोलित हुए हैँ। वैसे, तो इन आंदोलनों के स्थल देश भर में फैले हुए हैं, लेकिन खास चर्चा हरियाणा में हुई आंदोलनकारी गतिविधियों की हुई। आखिरकार उनका असर हुआ, और हरियाणा सरकार ने आठ अप्रैल को सभी श्रेणियों के कर्मियों की न्यूनतम मजदूरी में 35 प्रतिशत बढ़ोतरी का एलान किया। इस निर्णय का असर नोएडा में देखा गया।कुछ ही दूरी पर एक जैसे काम के लिए अलग-अलग मजदूरी की बात उन्हें चुभी और वे भी आंदोलन पर उतर आए। वैसे भी एक विश्लेषण के मुताबिक 2016 से अब तक दिल्ली और हरियाणा की तुलना में उत्तर प्रदेश न्यूनतम मजदूरी काफी कम बढ़ी है। दिल्ली में ये वृद्धि लगभग 90 फीसदी और हरियाणा में 89 प्रतिशत रही, जबकि उत्तर प्रदेश में इसमें महज 42.6 फीसदी का इजाफा हुआ है। यानी गुजरे एक दशक में हुई मुद्रास्फीति के अनुपात में यूपी में मजदूरी नहीं बढ़ी है। ऐसे में मजदूरों के असंतोष को समझा जा सकता है। इस बीच श्रम कानूनों की जगह श्रम संहिताएं लागू होने और आठ घंटे काम की सीमा हटाए जाने की वजह से मजदूर पहले मिली वैधानिक सुरक्षाओं से वंचित हो गए हैं।उनकी पीड़ा को एक मजदूर की एक टीवी चैनल पर कही गई इस बात से समझा जा सकता है कि रोजाना 12 घंटे काम करने के बाद उन्हें महीने में 13 हजार रुपये मिलते हैं! अब उत्तर प्रदेश सरकार ने कारखाना मालिकों और मजदूरों के बीच संवाद कायम करने के लिए एक समिति बनाई है। मगर साथ ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इन विरोध प्रदर्शनों के पीछे नक्सलवाद को पुनर्जीवित करने की साजिश का शक भी जता दिया है। ऐसे में यह नहीं लगता कि मजदूर सरकार से किसी हमदर्दी की आशा कर सकते हैं। मगर ऐसे नजरियों से उस वक्त औद्योगिक शांति कायम करना कठिन होगा, जब श्रमिक वर्ग पर बढ़ते आर्थिक संकट की गहरी मार पड़ी है।

(चिंतन-मनन) अपना दृष्टिकोण

एक कन्या ने अपने पिता से कहा, मैं किसी पुरातत्वविद् से विवाह करना चाहती हूं। पिता ने पूछा, क्यों? कन्या बोली, पिताजी! पुरातत्वविद् ही एक सा व्यक्ति होता है जो पुरानी चीजों को ज्यादा मूल्य देता है। मैं भी ज्यों-ज्यों पुरानी होती जाऊंगी, बूढ़ी होती जाऊंगी, मेरा मूल्य भी बढ़ता जाएगा। वह मेरे से नफरत भी नहीं करेगा। पुरातत्वविद् यह नहीं देखता कि वस्तु कितनी सुन्दर है, कितनी असुन्दर है। वह इतना देखता है कि वस्तु कितनी पुरानी है। यह उसके मूल्यांकन की दृष्टि होती है।

कहने का अर्थ यह कि मूल्यांकन का अपना-अपना दृष्टिकोण होता है। मूल्यांकन का हमारा भी एक दृष्टिकोण है। अध्यात्म की साधना करने वाले व्यक्ति का अपना एक दृष्टिकोण होता है मूल्यांकन का और वह उसका स्वयं का दृष्टिकोण होता है, किसी से उधार लिया हुआ नहीं। उसका दृष्टिकोण बदले, चरित्र बदले। वह पुराना ही न रहे, नया बने। पुरानेपन का आग्रह छूटे। साधना में पुरातत्वविद् की दृष्टि काम नहीं देती। वहां नयेपन का आयाम खुलता है और सदा नया बना रहने की आकांक्षा बनी रहती है।

प्रत्येक समझदार आदमी का प्रयत्न सप्रयोजन होता है। ध्यान की साधना करने वाले व्यक्ति का साध्य है- रूपान्तरण दृष्टि का रूपान्तरण, चरित्र का रूपान्तरण। अहं को अर्हम् में बदलना। अहं और अर्हम् में केवल एक मात्रा का अन्तर है। साधक अहं को छोड़कर अर्हम् बनना चाहता है। एक मात्रा का अर्जन करना है। अहम् पर ऊर्ध्व र लगे, ऐसा प्रयत्न करना है। तब साधना सफल हो जाती है।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के परिणाम क्या देश की राजनीत तय करेंगे

अजय दीक्षित

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के जो भी परिणाम आएंगे वे देश के 2029 लोकसभा चुनाव की दिशा ब दशा तय करेंगे। उल्लेखनीय है कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के परिणाम चार मई को आयेंगे। इन चुनावों में मुख्य मुकाबला ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तुड़मूल कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी के बीच है हालांकि लेफ्ट और कांग्रेस भी मैदान में है। ममता बनर्जी की तुड़मूल कांग्रेस 2011से सत्ता में है जबकि भारतीय जनता पार्टी 2021 के विधानसभा चुनाव में 40 फीसदी वोट लाकर 294 सदस्यीय विधानसभा में 77 सीट जीती थी। लेकिन ममता बनर्जी की तुड़मूल कांग्रेस ने 48 फीसदी वोट ले कर 213 सीट जीती थी।

भारतीय जनता पार्टी का सपना रहा है कि वह अंग,बंग, और कलिंग में सरकार बनाए। उसके अंग (बिहार) कलिंग (ओडिशा) में सरकार बन गई है और अब बंग (बंगाल) की बारी है । जनसंघ यानि आज की भारतीय जनता पार्टी के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी बंगाल के ही थे। स्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेई कहते थे कि बंगाल जितने का सपना एक दिन पूरा होगा । लालकृष्ण आडवाणी, सुंदर सिंह भंडारी, दीन दयाल उपाध्याय, अटल बिहारी वाजपेई , कृष्णलाल शर्मा ने एक सेमिनार में कहा था कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ चाहता है कि पश्चिमी बंगाल में सरकार बनाए। भारतीय जनता पार्टी का सपना है कि वह पैन इंडिया पार्टी बने जिसका समूचे देश में सत्ता हो । ऐसा लगता है कि भाजपा ने,80 फीसदी लक्ष पूरा कर लिया है।आज उसकी संपूर्ण हिंदी भाषा के राज्यों , पूर्वोत्तर राज्यों, महाराष्ट्र, गुजरात, ओडिशा,में सरकार है।जबकि दक्षिण भारत

में कर्नाटक में सरकार रह चुकी है।केरल, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, राज्य शेष है। तेलंगाना में विरोधी दल है।अगर भारतीय जनता पार्टी बंगाल विधानसभा चुनाव में बहुमत लाती है तो वह 2029 के लोकसभा चुनाव में अकेले दम पर आसानी बहुमत प्राप्त कर लेगी । क्योंकि अभी 240 जीत गई थी क्योंकि महाराष्ट्र,उत्तर, प्रदेश,बंगाल लगभग 100 सीट बढ़ा लेगी जो अकड़ा 340 सीट का होगा इसमें जेडीयू,शिवसेना, एनसीपी,का योग अलग होगा ।,

उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली, बिहार, गुजरात, महाराष्ट्र, ओडिशा, उत्तराखंड, असम, त्रिपुरा, नागालैंड, मणिपुर, सिक्किम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश,में भारतीय जनता पार्टी की सरकार है।दूसरा सवाल यह है कि अगर तुड़मूल कांग्रेस पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव जीतती है तो ममता बनर्जी राष्ट्रीय क्षितिज पर भारतीय राजनीत में 2029 लोकसभा चुनाव में विपक्ष को एक जुट कर अपने नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी को चुनौती पेश कर सकती है।इस घटना क्रम के बाद समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस, लेफ्ट पार्टियों, बीजेडी, डीएमके, नेशनल कॉन्फ्रेंस,आप, ममता बनर्जी को नेता घोषित कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी को चुनौती पेश कर सकती है।यद्यपि कांग्रेस भी चाहेगी ये सभी पार्टियों उनके झंडे तले चुनाव लड़े और चुनाव तक ममता बनर्जी को भी इस इंडी गठबंधन में लिया जाय लेकिन कांग्रेस प्रधानमंत्री पद से कम पर तैयार नहीं होगी। पाश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में राहुल गांधी ने ममता बनर्जी को कई मुद्दों पर घेरा है।यहां तक कि राहुल गांधी ने तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को गुंडों की संज्ञा दी जो जनता से अवैध उगाही,कट मनी मांगते हैं। ममता बनर्जी पर उन्होंने मुस्लिम ध्रुवीकरण का आरोप भी लगाया।

विपक्ष की एकता का रास्ता उत्तर प्रदेश, बिहार,से निकलेगा क्योंकि सपा नेता अखिलेश यादव, राजेडी के तेजस्वी यादव बंगाल विधानसभा चुनाव को लेकर उत्सुक हैं और ममता बनर्जी का साथ दे रहे हैं। बीजेडी के नेता नवीन पटनायक, दक्षिण में एम के स्टालिन,भी ममता बनर्जी के साथ है। इस बार उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 में सपा, कांग्रेस साथ मिलकर चुनाव मैदान में आ सकते हैं। दूसरी ओर बंगाल विधानसभा चुनाव के बाद भारतीय जनता पार्टी ने तो उत्तर प्रदेश की तैयारी भी शुरू करदी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बनारस से बिगुल फूंकना चाहते हैं और हरदोई में594 किलो मीटर सिक्स लेन गंगा एक्सप्रेस वे का लोकार्पण भी दो दिन पहले किया है। कहने का मतलब उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी विधानसभा चुनाव मोड में आ गई है। मप्र, राजस्थान, दिल्ली,के कार्यकर्ताओं को समानांतर जिम्मेदारी दी जाएगी।राष्ट्रीय महासचिव बाल संतोष लखनऊ में है। लेकिन सपा भी तैयार है क्योंकि मुख्य मुकाबला भारतीय जनता पार्टी और समाजवादी पार्टी में होना है।देश में उत्तर प्रदेश में 80, जम्मू कश्मीर 06, हिमाचल प्रदेश 04, उत्तराखंड 05,दिल्ली 07, गुजरात 26, राजस्थान 25, मध्य प्रदेश 29, छत्तीसगढ़ 011, महाराष्ट्र 48, पश्चिम बंगाल 42 ओडिशा 21, झारखंड 11,बिहार 40, असम 14, तेलंगाना 17, आंध्र प्रदेश 23, तमिलनाडु 39,केरल 20, कर्नाटक 28, त्रिपुरा 2,गोवा 02, नागालैंड, मणिपुर, सिक्किम, मेघालय, अरुणाचल कुल 10 सीट है।

शांति अशांति के बीच झूलती वैश्विक युद्ध की आशंका और परिणति

संजीव ठाकुर

अमेरिका ईरान इजरायल युद्ध के बीच शांति वार्ता युद्ध के तैयारी के लिए समय समय पैदा करने की युति से ज्यादा कुछ नहींद्य अमेरिका युद्ध विराम को सिर्फ इसलिए आगे बढ़ते जा रहे हैं कि उन्हें अपनी तैयारी के लिए और समय चाहिए वैसे ईरान भी पूरी तरह से कंगाली के दौर से गुजर रहा है अब उसे युद्ध बढ़ाने के लिए समय चाहिए इन परिस्थितियों में ऐसा नहीं लगता की तीनों में से कोई देश शांति चाहता हो सब अपनी अपनी महत्वाकांक्षा और विस्तार नीति पर अड़े हुए हैंद्य परिणाम स्वरुप पूरा विश्व वैश्विक युद्ध की आशंका और उसके होने वाले परिणामों से भयभीत दिखाई दे रहा है।

वैश्विक परिदृश्य एक ऐसे मोड़ पर खड़ा दिखाई देता है, जहाँ कूटनीति की भाषा कमजोर और शक्ति-प्रदर्शन की भाषा प्रबल होती जा रही है। पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव विशेष रूप से अमेरिका, इज़रायल और ईरान के बीच, विश्व को एक संभावित महायुद्ध यहाँ तक कि परमाणु युद्ध की आशंका की ओर धकेल रहा है। इस संपूर्ण घटनाक्रम में डोनाल्ड ट्रंप की नीतियाँ और उनके निर्णय भी चर्चा के केंद्र में हैं, जिन्हें लेकर विश्व स्तर पर विभिन्न प्रकार की प्रतिक्रियाएँ सामने आई हैं। उनके द्वारा लिए जा रहे निर्णय पर अमेरिका के नागरिक उनके संसद सदस्य और वैश्विक देश के नेताओं द्वारा भी अविश्वास प्रकट किया जा रहा है उनकी मानसिक स्थिति पर भी अब सवालिया निशान लगने लगे हैं।

ऐतिहासिक तौर पर देखा जाए तो शांति वार्ताओं का उद्देश्य सदैव संघर्ष को समाप्त कर स्थिरता स्थापित करना होता है, किंतु हालिया प्रयासों में यह उद्देश्य बिखरता हुआ प्रतीत हो रहा है। जब मध्यस्थता के लिए पाकिस्तान जैसे कमजोर,आतंकवादी और अपरिपक्व मानसिकता वाले देश को आगे किया गया, तब ही कई कूटनीतिक विश्लेषकों ने इसकी निष्पक्षता और प्रभावशीलता पर प्रश्नचिह्न लगा दिया था। किसी भी शांति प्रक्रिया की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि मध्यस्थ देश निष्पक्ष, विश्वसनीय और सभी पक्षों के लिए स्वीकार्य हो। यदि मध्यस्थ ही अपने रणनीतिक हितों में उलझा हो, तो वार्ता का मार्ग स्वतः ही संदिग्ध हो जाता है।

अमेरिका और इज़रायल का दृष्टिकोण ईरान की परमाणु क्षमताओं को सीमित करने पर केंद्रित रहा है, जबकि ईरान अपनी संप्रभुता और सुरक्षा के अधिकारों का सदैव पक्षकार रहा है। ईरान का कहना है कि उसका परमाणु कार्यक्रम शांति और ऊर्जा के उद्देश्य से है, परंतु पश्चिमी देशों को इसमें संभावित सैन्य उपयोग की आशंका दिखाई देती है। यही अविश्वास शांति वार्ता को बार-बार विफल करता रहा है।

अमेरिका द्वारा ईरान के प्रस्तावों को अस्वीकार करना इस बात का संकेत है कि दोनों पक्षों के बीच संवाद की खाई गहरी होती जा रही है। इज़रायल, जो पहले से ही ईरान को कई वर्षों से अपने अस्तित्व के लिए खतरा मानता है, और उसके लिए यह लड़ाई अपने अस्तित्व की रक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण भी है और वह किसी भी प्रकार के समझौते को लेकर अत्यंत सावधान और अतिरिक्त सतर्क है। ऐसे में जब तीनों शक्तियाँ अपने-अपने हितों की रक्षा के लिए किसी भी हद तक अड़े हुए और अडिग हों, तो शांति का मार्ग और भी ना मुमकिन सा होता दिखाई देता है।

यदि यह तनाव आगे बढ़कर जैसा की युद्ध विश्लेषक आशंका जाता रहे हैं परमाणु संघर्ष में परिवर्तित होता है, तो इसके परिणाम न केवल अत्यंत भयानक तथा विनाशक होने की संभावना होगी बल्कि युद्ध क्षेत्र भी सीमित नहीं रहेंगे, पूरी दुनिया इसकी जद और बड़े प्रभाव में आ जाएगी। सबसे पहले असर वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। तेल उत्पादक क्षेत्र होने के कारण पश्चिम एशिया में युद्ध छिड़ने से कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल आएगा, जिससे महंगाई वैश्विक स्तर पर बेकाबू हो जाएगी। भारत जैसे विकासशील देशों के लिए यह स्थिति और भी गंभीर हो सकती है, जहाँ पहले से ही आम जनता महंगाई के दबाव से जूझ रही है।

महंगाई का सीधा असर आम जीवन पर पड़ता है।खाद्य पदार्थ, ईंधन, परिवहन, दवाइयाँ सभी की कीमतें आसमान छूने लगती हैं। इससे निम्न और मध्यम वर्ग सबसे अधिक प्रभावित होगा ह। रोजगार के अवसर कम हो जाते हैं, और आर्थिक असमानता बढ़ जाती है।

स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी परमाणु युद्ध के दुष्परिणाम अत्यंत भयावह होंगे। परमाणु विस्फोट से निकलने वाला विकिरण न केवल तत्काल जनहानि करता है, बल्कि पीढ़ियों तक चलने वाली बीमारियों को जन्म देता है। कैंसर, जन्मजात विकृतियाँ, मानसिक रोग ये सब ऐसे प्रभाव हैं जो दशकों तक मानवता को झेलने पड़ते हैं। पर्यावरण पर इसका असर भी विनाशकारी होता है,जल, वायु और मिट्टी सभी प्रदूषित हो जाते हैं, जिससे कृषि उत्पादन ठप हो सकता है और खाद्य संकट उत्पन्न हो सकता है।

मेष राशि- आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहने वाला है। आप किसी काम को लेकर उत्साहित होंगे, काम आसानी से व समय से पूरा हो जायेगा। आज आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। आज किसी प्रोजेक्ट में आपको जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा, जो सफलता दिलाने में मददगार साबित होगा।

वृष राशि- आज का दिन आपके लिए मिला-जुला रहने वाला है। आज आप कार्यक्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन करेंगे और अधिकारियों का दिल जीतने में कामयाब भी होंगे। महिलाए अपने जीवनसाथी को आज कुछ मीठा बना कर खिला सकती है। दोनों के बीच रिश्ते में मधुरता बढ़ेगी। स्वास्थ्य फिट रखने के लिए योग की रूटीन अपनाएं, फायदा मिलेगा।

मिथुन राशि- आज आपका दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। राजनीति से जुडे लोगों के लिए दिन अच्छा है। समाज हित में किये गये कामों की तारीफ़ हो सकती है। आज आपको उच्चाधिकारी के सामने बात रखने पर पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिलेगा। आज के दिन आप अपनी उर्जा को सही काम में लगाएं।

कर्क राशि- आज आपका दिन व्यस्तता में बीतेगा। बॉस आपको कुछ नई जिम्मेदारी सौंप सकते हैं जिसे आप पूरी लग्न और मेहनत से करेंगे, काम को लेकर आपकी तारीफ होगी। आपके आय के नए स्रोत बनेंगे, आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। कला और साहित्य के क्षेत्र में रुझान रहेगा। इस राशि के जो लोग खेल जगत से जुड़े हैं वे आज अपनी प्रैक्टिस में व्यस्त रहेंगे।

सिंह राशि- आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज किसी भी कानूनी मामलों में जल्दबाजी न दिखाएं। अपने खर्चों पर नियंत्रण बनाए रखेंगे तो भविष्य में आने वाली आर्थिक परेशानियों से भी बच जायेंगे। आज अपने काम को सामान्य गति से पूरा करेंगे।

कन्या राशि- आज का दिन आपके लिए नयी उमंग से भरा रहने वाला है। यदि आपने किसी को धन उधार दिया था, तो वह आपको वापस मिल सकता है। आज परिवार के सदस्यों के साथ आप किसी धार्मिक यात्रा पर जाने की प्लानिंग कर सकते हैं।आज आप मित्रों के साथ कोई निवेश संबंधी योजना बनाएंगे, जिसमें आपको बहुत ही सोच विचार कर आगे बढ़ना होगा। आज आपको यदि महत्वपूर्ण निर्णय लेना पड़े,तो बहुत ही सोच विचार कर लें, मुमकिन है कि आपके अतीत से जुड़ा शख्स आज आपसे संपर्क करेगा और इस दिन को यादगार बना देगा।

तुला राशि- आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज किसी मामले में अपनी समझ से काम करना होगा, तभी काम का परिणाम अच्छा मिलेगा। आज बड़ो का आशीर्वाद मिलेगा जिससे आपकी सकारात्मकता बढ़ेगी। आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। आज घर में शुभ समाचार मिलने की सम्भावना बन रही है, दाम्पत्य जीवन का सुख मिलेगा।

वृश्चिक राशि- आज आपका दिन बेहद खुशहाल रहने वाला है। आज अपने बिजनेस को आगे बढ़ाने की नयी योजना बनायेंगे, जिससे आपकी कामयाबी आसमान की बुलंदियों पर होगी। आपकी मुलाकात बचपन के किसी दोस्त से होगी, आपकी पुरानी यादें ताज़ा होंगी।

धनु राशि- आज का दिन ठीक-ठाक रहने वाला है। स्वास्थ्य के लिहाज से दिन अच्छा रहेगा। आज आपके बढ़ते खर्चे परेशानी का कारण बन सकता है। इसीलिए बजट बनाकर चलने का प्रयास करें। किसी संपत्ति का सौदा जल्दबाजी में ना करें। राजनीतिक से जुड़े लोगों को बड़े नेताओं से मिलने का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी उन्नति का मार्ग प्रसस्त होगा।

मकर राशि- आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आप एक से अधिक स्रोतों से आय प्राप्त करेंगे। शासन व प्रशासन के मामले में सावधानी बरतें। आज आपको बडों का साथ व सहयोग भरपूर मात्रा में मिलेगा। आज आपकी शिक्षा में आ रही परेशानी से छुटकारा मिलेगा, आपको खुशी होगी।

कुंभ राशि- आज का दिन आपके लिए शुभफलदायक रहने वाला है। आपकी योजनाओं को नई गति मिलेगी। आज आपकी कुछ नए लोगों से मुलाकात होगी। आज निवेश संबंधी मामलों को गति मिलेगी। आज किसी अजनबी पर सोच समझकर भरोसा करें। विद्यार्थियों को किसी टॉपिक को समझने में आ रही परेशानी से छुटकारा मिलेगा। प्रतिस्पर्धा के क्षेत्र में आपके सफल होने के योग है। आज आपके दांपत्य जीवन में खुशहाली बढ़ेगी।

मीन राशि- आज आपका दिन आपके परिवार में खुशियाँ लाने वाला रहेगा। परिवार में आपके अच्छे काम की तारीफ़ होगी। महिलाओं के लिए आज का दिन बेहद खास रहने वाला है। आज आपके पास बिजनेस को आगे बढ़ाने के लिए अच्छे मौके मिलेंगे। कम्पटीशन की तैयारी कर रहे छात्रों को तैयारी जारी रखनी चाहिए। जिस व्यक्ति की आपने कभी मदद की थी वह आज आपके काम आएगा। शैक्षणिक क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन खास रहने वाला है।

खाद्य सुरक्षा से खाद्यान्नों के मामले में नेतृत्व की ओरः खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में पीएलआई योजना का परिवर्तनकारी प्रभाव

श्रीअविनाश जोशी

खाद्यान्नों से जुड़ी भारत की कहानी में एक निर्णायक मोड़

भारत आज अपने आर्थिक सफर के एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा है। अब जबकि हमारा देश दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनने की दिशा में अग्रसर है, विकास को सिर्फ उत्पादन की मात्रा से ही नहीं, बल्कि हमारे द्वारा सृजित मूल्य के आधार पर भी मापना होगा।

खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र की तुलना में बहुत कम क्षेत्र ही ऐसे हैं, जहां इस प्रकार का बदलाव बिल्कुल साफ नजर आता है।

भारत खाद्यान्नों, फलों, सब्जियों, दूध और समुद्री उत्पादों के सबसे बड़े उत्पादक देशों में से एक है। दशकों तक, हमारे कृषि संबंधी सामर्थ्य ने देश में खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित की। फिर भी, इस उपज का एक बड़ा हिस्सा पारंपरिक रूप से बेहद ही सीमित मूल्यवर्धन के साथ सीधे खेत से बाजार तक पहुंचता रहा।

आज भारत के कृषि उत्पादन का महज 12-13 प्रतिशत हिस्सा ही प्रसंस्करण से गुजरता है। उत्पादन और प्रसंस्करण के बीच का यही अंतर भारतीय अर्थव्यवस्था में उपलब्ध सबसे बड़े अवसरों में से एक है।

इसलिए, खाद्यान्नों से जुड़ी भारत की यात्रा का अगला चरण बिल्कुल स्पष्ट है: कृषि की प्रचुर संपदा को उच्च मूल्य वाले एवं वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी खाद्य उत्पादों में परिवर्तित करना।

पीएलआई योजना के पीछे की परिकल्पना

इस अवसर को पहचानते हुए, भारत सरकार ने मार्च 2021 में कुल 10,900 करोड़ रुपये के वित्तीय परिव्यय के साथ खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के लिए उत्पादन पर आधारित प्रोत्साहन योजना (पीएलआईएसएफपीआई) की शुरुआत की।

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय (एमओएफपीआई) द्वारा इस योजना को 2021-22 से 2026-27 तक की छह साल की अवधि के लिए लागू किया जा रहा है।

इस योजना के पीछे का मूल विचार सरल लेकिन ठोस है: खाद्य प्रसंस्करण क्षमता, नवाचार और वैश्विक ब्रांडिंग के विस्तार में निवेश करने वाली कंपनियों को पुरस्कृत करना। कुल मिलाकर, यह योजना इन-स्टोर ब्रांडिंग, अंतरराष्ट्रीय खुदरा श्रृंखलाओं में शेल्फ स्पेस और वैश्विक विपणन अभियानों में निवेश करने हेतु वित्तीय सहायता प्रदान करके भारत में खाद्य उत्पादन से जुड़ी वैश्विक स्तर की कई चैंपियन कंपनियां तैयार करती है।

रणनीतिक डिजाइन: एक आधुनिक खाद्य इकोसिस्टम का निर्माण

पीएलआईएसएफपीआई योजना की संरचना को सावधानीपूर्वक को तीन प्रमुख स्तंभों पर आधारित रखा गया है।

1. उच्च क्षमता वाले खाद्य क्षेत्रों को प्रोत्साहन देना

पहला घटक पकाने के लिए तैयार (रेडी-टू-कुक) और खाने के लिए तैयार (रेडी-टू-ईट) खाद्य पदार्थ, प्रसंस्कृत फल और सब्जियां, समुद्री उत्पाद जैसी प्रमुख खाद्य श्रेणियों में उत्पादन बढ़ाने पर केन्द्रित है।

ये श्रेणियां वैसे क्षेत्र हैं जिनमें भारत घरेलू खपत और निर्यात क्षमता, दोनों में तेजी से विस्तार कर सकता है।

1. नवाचार और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) की भागीदारी को प्रोत्साहन देना

दूसरा घटक एमएसएमई द्वारा विकसित नवोन्मेषी और जैविक खाद्य उत्पादों को समर्थन प्रदान करता है। लघु एवं मध्यम उद्यम भारत के खाद्य क्षेत्र की रीढ़ हैं और समावेशी विकास हेतु आधुनिक आपूर्ति श्रृंखलाओं के साथ उनका जुड़ाव बेहद जरूरी है।

पोषक अनाज (मिलेट) से संबंधित नवाचार: परंपरा को आधुनिक बाजारों से जोड़ना

वर्ष 2023 में, अंतरराष्ट्रीय पोषक अनाज (मिलेट्स) वर्ष के उपलक्ष्य में, मंत्रालय ने पीएलआई योजना के तहत एक विशेष पहल की शुरुआत की। इस पहल का उद्देश्य पकाने के लिए तैयार (रेडी-टू-कुक) और खाने के लिए तैयार (रेडी-टू-ईट) उत्पादों में मिलेट्स के उपयोग को प्रोत्साहित करना था।

मिलेट्स जलवायु परिवर्तन के प्रति प्रतिरोधी, अत्यधिक पौष्टिक और भारत की कृषि परंपराओं में गहराई से जुड़े हुए हैं।

आधुनिक प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों में मिलेट्स का समावेश करके, यह योजना पोषण संबंधी सुरक्षा और जलवायु परिवर्तन के प्रति प्रतिरोधी कृषि को एक साथ बढ़ावा देती है।

बदलाव से जुड़े आंकड़े

पीएलआई योजना के तहत बहुत ही कम समय में हासिल की गई प्रगति उद्योग जगत की ओर मिली सकारात्मक प्रतिक्रिया और इस नीति की प्रभावशीलता को दर्शाती है।

अब तक:

इस योजना के तहत 165 कंपनियों को मंजूरी दी गई है। इनमें से 68 सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) हैं, साथ ही बड़ी कंपनियों के 40 संविदा निर्माता भी शामिल हैं। कुल मिलाकर 9,207 करोड़ रुपये का निवेश किया जा चुका है।

प्रति वर्ष लगभग 35 लाख मीट्रिक टन की नई प्रसंस्करण और संरक्षण संबंधी क्षमता सृजित की गई है। इस योजना से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से 3.29 लाख रोजगार सृजित हुए हैं।

ध्यान रखने लायक बात यह है कि इस योजना का मूल लक्ष्य 25 लाख रोजगार सृजित करना था। इस क्षेत्र ने पहले ही इस लक्ष्य का 131 प्रतिशत हिस्सा हासिल कर लिया है।

K K

राष्ट्रीय समाचार

मंगलवार 05 मई 2026,नर्मदापुरम (होशंगाबाद)

दैनिक क्षितिज किरण 5

मातम में बदली खुशियां, तिलक समारोह से लौटते समय बस और कंटेनर की हुई जोरदार टक्कर, पांच लोगों की मौत, कई घायल

रोहतास ,,(आरएनएस)। रोहतास जिले के दिनारा थाना क्षेत्र के मठिया मोड़ के पास सोमवार सुबह एक भीषण हादसा हो गया, जिसमें लोगों की मौत हो गई और करीब 10 लोग घायल बताए जा रहे हैं, जिन्हें इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार, मठिया गांव के लोग चेनारी इलाके के लोधी गांव में अशोक कुमार की पुत्री का तिलक चढ़ाकर बस से गांव लौट रहे थे। इस दौरान मठिया मोड़ के पास बस की कंटेनर से जोरदार टक्कर हो गई। हादसे के बाद चीख-पुकार मच गई और आसपास के लोग तुरंत मौके पर पहुंचकर राहत-बचाव में जुट गए।

टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस में सवार पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। कई लोग घायल भी बताए जा रहे हैं, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। इस घटना के बाद मृतकों के परिवारों में कोहराम मच गया है।

थानाध्यक्ष धर्मेंद्र प्रसाद ने बताया कि सभी लोग चेनारी के लोधी गांव में अशोक कुमार की पुत्री का तिलक चढ़ाकर गांव लौट रहे थे। गांव के पास मोड़ पर बस और पिकअप को खड़ा कर कुछ बस से उतर रहे थे और पिकअप से कुछ सामान उतारकर घर जाने की तैयारी कर रहे थे। इसी बीच एक अनियंत्रित कंटेनर ने टक्कर मार दी

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को संभाला। पुलिस ने शवों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि हादसा किन कारणों से हुआ।

कांग्रेस को बड़ा झटका, प्रदेश अध्यक्ष गौरव गोगोई हारे, भाजपा को प्रचंड बहुमत

जोरहाट (ए)। असम विधानसभा चुनाव के रुझानों में कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। जोरहाट सीट से प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई को हार मिली है, जबकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राज्य में स्पष्ट बहुमत हासिल कर सत्ता बरकरार रखी है। मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के नेतृत्व में भाजपा-नीत एनडीए गठबंधन ने 99 सीटों पर बढ़त बनाकर बहुमत का आंकड़ा पार किया है, वहीं कांग्रेस केवल 25 सीटों पर आगे चल रही है।वहीं जोरहाट सीट पर भाजपा के हितेंद्र नाथ गोस्वामी ने कांग्रेस नेता गोगोई को शिकस्त दी। गोस्वामी ने 69,439 मत मिले, जबकि गोगोई को 23,182 से अधिक मतों के अंतर से हार मिली। राज्य भर में भाजपा की मजबूत पकड़ दिख रही है और एनडीए गठबंधन ने 50 प्रतिशत से अधिक वोट शेयर हासिल किया है। निर्वाचन आयोग द्वारा जारी किए गए 126 सीटों के रुझानों के अनुसार, भाजपा 79 सीटों पर आगे है, उसके गठबंधन सहयोगी असम गण परिषद (एजीपी) आठ सीटों पर और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) एक सीट पर जीत दर्ज कर चुका है और आठ पर आगे है।इसके विपरीत, कांग्रेस 25 सीटों पर आगे है, जबकि उसकी सहयोगी रायजोर दल दो सीटों पर।

ऑपरेशन सिंदूर हमारी भारतीय सैन्य इतिहास का एक अद्वितीय अध्याय : रक्षामंत्री

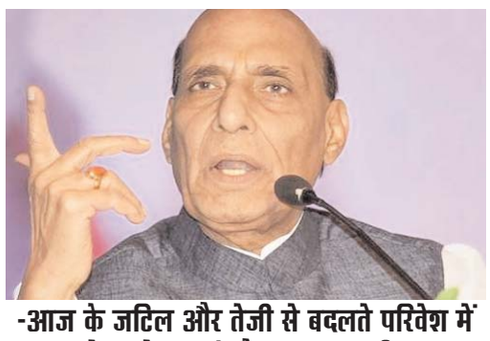

-आज के जटिल और तेजी से बदलते परिवेश में आगे बढ़ने का मंत्र है- अनुकूलनशीलता

नई दिल्ली,(ए.)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को ऑपरेशन सिंदूर को भारतीय सैन्य इतिहास का एक अद्वितीय अध्याय बताया है। ऑपरेशन की पहली वर्षगांठ से कुछ दिन पहले यूपी के प्रयागराज में आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि इस अभियान ने न केवल आतंकी समूहों और उनके आकाओं पर निर्णायक प्रहार किया, बल्कि वैश्विक स्तर पर भारत की उन्नत सैन्य तकनीक का लोहा भी मनवाया। बता दें पिछले साल 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में भारतीय सेना ने 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राजनाथ सिंह ने कहा कि सशस्त्र बलों ने ''धैर्य'' दिखाते हुए आतंकी ढांचे को नष्ट करने में दक्षता दिखाई। इस अभियान ने पूरी दुनिया को भारतीय सेना की क्षमताओं का एहसास करा दिया। सिंह ने कहा कि हमारे सैनिकों ने आतंकवादियों और उनके आकाओं को जो सबक सिखाया उससे पूरा देश गौरवान्वित हुआ। अच्छी बात थी कि हमने धैर्य दिखाया और केवल आतंकवादियों को तबाह किया, अन्यथा, पूरी दुनिया जानती है कि हमारे सशस्त्र बल क्या करने में सक्षम हैं। रक्षा मंत्री ने इस अभियान को तकनीक के उपयोग का एक अनूठा उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि इस अभियान में आकाश और ब्रह्मोस जैसी उन्नत मिसाइल प्रणालियों के साथ-साथ कई नवीनतम उपकरणों का इस्तेमाल किया गया।उन्होंने कहा कि आज के जटिल और तेजी से बदलते परिवेश में आगे बढ़ने का एक ही मंत्र है- अनुकूलनशीलता।

पटियाला में, पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी विधानसभा चुनावों 2026 के लिए वोटों की गिनती के दौरान पार्टी के आगे रहने पर मनाए जा रहे जश्न के बीच, एक महिला बीजेपी नेता एक बच्चे को मिठाई बांट रही हैं।

टीएमसी को अपने भ्रष्टाचार का जवाब मिला : हुमायूं कबीर

15 साल के शासनकाल में सिर्फ अत्याचार किया

कोलकता,,(आरएनएस)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के रुझानों पर आम जनता उन्नयन पार्टी (एजेयूपी) के अध्यक्ष हुमायूं कबीर ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की अपेक्षित हार राज्य में हुए व्यापक भ्रष्टाचार और जनविरोधी फैसलों का सीधा परिणाम है। कबीर ने इस बात पर संतोष व्यक्त किया कि जनता ने टीएमसी को आखिरकार जवाब दे दिया है, जो कि टीएमसी को मिलाना चाहिए था।

एजेयूपी प्रमुख कबीर ने कहा, मैंने पहले ही अनुमान लगाया था कि भाजपा को टीएमसी से अधिक सीटें मिलेंगी। टीएमसी ने अपने तीन बार के कार्यकाल में सिर्फ लोगों पर अत्याचार किया, जमकर भ्रष्टाचार किया और गलत निर्णय लिए। उन्होंने राज्य में बढ़ती बेरोजगारी, खराब सड़कों, लचर शिक्षा व्यवस्था और अस्पतालों की दयनीय स्थिति का हवाला दिया, जहाँ एक बिस्तर पर तीन-तीन मरीजों का इलाज होता है। एजेयूपी कबीर के अनुसार, इन सभी विफलताओं के कारण ही टीएमसी को सत्ता से बाहर होना पड़ रहा है।

सेना प्रमुख और रक्षा सचिव की सैलरी से कटेंगे 2 लाख रुपए, हाईकोर्ट ने रिटायर्ड मेजर के हक में सुनाया फैसला

चंडीगढ़ ,,(आरएनएस)। पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट ने एक रिटायर्ड मेजर की डिसेबिलिटी (दिव्यांगता) पेंशन से जुड़े अवमानना मामले में बेहद सख्त रुख अपनाया है। अदालत ने आदेशों की अनदेखी करने पर सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी और रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह पर 2 लाख रुपये का भारी जुर्माना लगाया है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि हाई कोर्ट ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि जुर्माने की यह रकम इन दोनों शीर्ष अधिकारियों के वेतन (सैलरी) से काटकर सीधे याचिकाकर्ता को दी जाए। यह पूरा मामला पुणे के रहने वाले रिटायर्ड मेजर राजदीप दिनकर पांडेर के हक और सम्मान की लड़ाई से जुड़ा है, जिन्हें देश सेवा के दौरान 24 बार सर्जरी की असहनीय पीड़ा से गुजरना पड़ा था।

लद्दाख की दुर्गम पहाड़ियों में बिगड़ी तबीयत, डैमेज हो गई थीं किडनियां

मेजर राजदीप दिनकर पांडेर साल 2012 में पूरी तरह से फिट अवस्था में भारतीय सेना में कमीशन हुए थे। सेना ने उन्हें लद्दाख के अत्यधिक ऊंचाई वाले और चुनौतीपूर्ण इलाके में तैनाती दी थी। लेकिन, देश सेवा के पांच साल बाद ही वह गंभीर रूप से बीमार पड़ गए। दिल्ली छावनी में मेडिकल बोर्ड के सामने पेश होने पर पता चला कि उन्हें 'सिस्टाइटिस सिस्टिका ग्लैंडुलरिस' नामक गंभीर बीमारी हो गई है, जिसमें मूत्राशय में गांठें बन जाती हैं। इस बीमारी और संक्रमण के कारण उनकी किडनियां डैमेज हो गईं। लगातार 24 सर्जरी झेलने के बाद, अंततः 2022 में उन्हें 15 फीसदी दिव्यांगता के साथ 'लो मेडिकल कैटिगरी' में सेना से रिलीज कर दिया गया।

लेकिन हद तो तब हो गई जब उनकी डिसेबिलिटी पेंशन यह कहकर खारिज कर दी गई कि यह दिव्यांगता सैन्य सेवा के कारण नहीं हुई है।

ट्राइब्यूनल और हाई कोर्ट के आदेश की अनदेखी पड़ी भारी

पेंशन खारिज होने के बाद चंडीमंदिर स्थित आर्म्ड फोर्सेज ट्राइब्यूनल ने मामले की सुनवाई की और स्पष्ट किया कि मेजर की यह हालत सेवा के दौरान ही हुई है। पिछले फैसलों के आधार पर ट्राइब्यूनल ने माना कि उन्हें 40 से 50 फीसदी की दिव्यांगता श्रेणी में रखा जा सकता है।

असम के मुख्यमंत्री और जालुकबारी विधानसभा क्षेत्र से उम्मीदवार हिमंत बिस्वा सरमा, असम विधानसभा चुनावों में पार्टी की जीत के बाद गुवाहाटी स्थित बीजेपी के प्रदेश मुख्यालय में समर्थकों का अभिवादन करते हुए।

आंधी-तूफान से किसानों को हुआ भारी नुकसान

सोहावल-अयोध्या (आरएनएस)। क्षेत्र में लगातार तीसरी बार आई आंधी और मूसलाधार बरसात ने जनजीवन अस्त व्यस्त करते हुए मुसीबत खड़ी कर दी। शादी विवाह होने वाले घरों में चिंता बढ़ गई है। सबसे ज्यादा नुकसान जायद की फसल लेने वाले किसानों के साथ आम के बागान मालिकों को होने की खबर है। प्रगतिशील किसान केदार नाथ मौर्या ने बताया कि परवल की झाल गिर गयी है। खेत में पानी भरा हुआ है।राम सिंह मंगलसी कहते हैं कि लौकी, तरोई, करेला, टमाटर, खीरा आदि की खेती पर इसका असर पड़ा है । फसल पानी में डूब गई। खेतों में लगाए गए बाड़ उखड़ कर दूर जा गिरे। पूरी किसानी चौपट हो गई। बड़ी-बड़ी आम की बागानों के मालिक मिर्ज़ा बेग खालिद बेग, राम गनेश ने कहा कि बची खुची आम की फसल भी तबाह हो गयी।हवा के झोंकों से बड़े-बड़े फल गिरकर जमीन पर आगे लाखों का नुकसान होना तय हैं।

ईडी ने इस साल की रिकार्ड छापेमारी, 81 हजार करोड़ की संपत्ति कुर्क कर बनाया नया रिकॉर्ड

नई दिल्ली,(आरएनएस)। प्रवर्तन निदेशालय ने पिछले वित्तीय वर्ष 2025-26 में अपनी कार्रवाई से एक नया और ऐतिहासिक रिकॉर्ड कायम किया है। धनशोधन (मनी लॉन्ड्रिंग) के मामलों में भले ही केंद्रीय जांच एजेंसी द्वारा की गई गिरफ्तारियों में लगभग 27 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है, लेकिन कुर्क की गई संपत्तियों का आंकड़ा आसमान छू गया है। ईडी ने इस अवधि में 81,000 करोड़ रुपये से ज्यादा की संपत्तियां कुर्क कर अब तक का सबसे बड़ा रिकॉर्ड बनाया है। इसके साथ ही, धोखाधड़ी के शिकार हुए आम लोगों को भी एजेंसी ने हजारों करोड़ रुपये की संपत्ति वापस दिलाकर बड़ी राहत दी है।

छापों और मुकदमों की संख्या में आया भारी उछाल

धन शोधन निवारण अधिनियम के कड़े प्रावधानों के तहत ईडी ने देश भर में भ्रष्टाचारियों पर अपनी नकेल और कस दी है। 31 मार्च को समाप्त हुए वित्तीय वर्ष में एजेंसी द्वारा मारे गए छापों की संख्या लगभग दोगुनी होकर 2,892 तक पहुंच गई है, जो इससे पिछले साल 1,491 थी। छापों के साथ-साथ मुकदमों में भी काफी तेजी आई है। पिछले वित्त वर्ष में जांच शुरू करने के लिए दर्ज की गई ईसीआईआर की संख्या 39 फीसद बढ़कर 1,080 हो गई। इन ताबड़तोड़ कार्रवाइयों का ही नतीजा है कि ईडी ने इस दौरान रिकॉर्ड 812 आरोप पत्र (चार्जशीट) अदालतों में दाखिल किए, जबकि पिछले साल यह आंकड़ा महज 457 था।

ठोस सबूतों पर जोर, इसलिए गिरफ्तारियों में आई कमी

आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, वित्तीय वर्ष 2025-26 में ईडी ने कुल 156 लोगों को गिरफ्तार किया, जबकि इससे पिछले साल (2024-25) यह संख्या 214 और 2023-24 में 272 थी। गिरफ्तारियों में इस 27 फीसद की गिरावट की मुख्य वजह एजेंसी का अपनी जांच रणनीति में बदलाव करना है। अब ईडी अधिक 'लक्षित' (टार्गेटेड) और ठोस साक्ष्य-आधारित जांच पर जोर दे रही है। आपको बता दें कि पीएमएलए के तहत जमानत मिलना बेहद मुश्किल होता है, क्योंकि अदालत को यह संतुष्ट करना होता है कि आरोपी दोषी नहीं है और बाहर रहकर वह कोई अपराध नहीं करेगा। इसलिए, एजेंसी पुख्ता सबूत जुटाने के बाद ही गिरफ्तारी कर रही है।संपत्ति जब्ती के मामले में ईडी ने अपनी अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई का ब्योरा दिया है।

स्पाइसजेट और प्रवर्तक अजय को झटका, याचिका खारिज, लगा जुर्माना

-कोर्ट ने 19 जनवरी को 144 करोड़ रुपए जमा करने का दिया था आदेश

नई दिल्ली,(ए)। दिल्ली हाईकोर्ट का फैसला सामने आने से विमानन कंपनी से जुड़ा बड़ा विवाद फिर चर्चा में आ गया। बता दें कि कोर्ट ने स्पाइसजेट और उसके प्रवर्तक अजय सिंह की वह याचिका खारिज कर दी है, जिसमें उन्होंने पहले दिए गए आदेश की समीक्षा की मांग की थी। इस आदेश के तहत उन्हें 144 करोड़ रुपए जमा करने को कहा था, जिसे लेकर उन्होंने राहत की गुहार लगाई थी।

जानकारी के मुताबिक न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद की पीठ ने याचिका को खारिज करते हुए स्पाइसजेट और अजय सिंह पर 50 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। कोर्ट ने साफ कहा कि मामला खारिज किया जाता है और पहले दिया गया आदेश लागू रहेगा। बता दें कोर्ट ने 19 जनवरी को स्पाइसजेट को कुल 194 करोड़ रुपए की स्वीकृत देनदारी में से 144 करोड़ रुपए छह सप्ताह के अंदर जमा करने का निर्देश दिया था। बाद में इस समय सीमा को 18 मार्च तक बढ़ा दी थी।

बताया जा रहा है कि स्पाइसजेट और अजय सिंह ने पश्चिम एशिया में जारी युद्ध और कंपनी की खराब वित्तीय स्थिति का हवाला देते हुए इस आदेश पर पुनर्विचार की मांग की थी। उन्होंने कोर्ट को यह भी प्रस्ताव दिया कि नकद राशि जमा करने के बजाय गुरुग्राम स्थित एक व्यावसायिक संपत्ति को गारंटी के तौर पर स्वीकार कर लिया जाए।

दक्षिण भारत ने भाजपा के विषैले विचार और नरेंद्र मोदी के नेतृत्व को नकारा - हर्षवर्धन सपकाल

- केरल की जागरूक जनता ने कांग्रेस के विचार और राहुल जी के नेतृत्व का साथ दिया, केरल की जीत कांग्रेस के लिए देशभर में ऊर्जा देने वाली

मुंबई, (ए.)। पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी ने साम, दाम, दंड, भेद की नीति का उपयोग किया, लेकिन दक्षिण भारत की जनता ने भाजपा के विषैले, विभाजनकारी और देश तोड़ने वाले विचारों के साथ-साथ नरेंद्र मोदी के नेतृत्व को भी नकार दिया है, ऐसा महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने कहा है। विधानसभा चुनाव परिणामों पर प्रतिक्रिया देते हुए महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने कहा कि पश्चिम बंगाल में मोदी सरकार ने चुनाव आयोग की मदद से सभी मर्यादाओं, परंपराओं और नियमों को ताक पर रख दिया। एनआईए, सीआरपीएफ और एनकाउंटर स्पेशलिस्ट अधिकारियों को पश्चिम बंगाल भेजकर दमन का इस्तेमाल किया गया। एक बार फिर भाजपा ने गैर-प्रकारों के जरिए पश्चिम बंगाल में जीत हासिल की है, लेकिन भाजपा की यह विषैली ताकत दक्षिण भारत में नहीं चली और मोदी का नेतृत्व भी वहां स्वीकार नहीं किया गया। केरल में कांग्रेस पार्टी की जीत लोकतंत्र और संविधान की जीत है। केरल की जनता ने कांग्रेस के विचार और राहुल गांधी के नेतृत्व पर विश्वास व्यक्त किया है। देश को कांग्रेस का विचार ही बचा सकता है और केरल की इस जीत से देशभर के कांग्रेस कार्यकर्ताओं में नया उत्साह पैदा हुआ है। यही ऊर्जा आगामी समय में कांग्रेस को मजबूती देगी, ऐसा विश्वास हर्षवर्धन सपकाल ने व्यक्त किया है।

अब क्लासरूम में होगी पीएम और आरएसएस की पढ़ाई, इस यूनिवर्सिटी ने शुरू किए 4 नए कोर्स

वडोदरा(आरएनएस)। गुजरात के वडोदरा स्थित महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय ने अपने पाठ्यक्रम (सिलेबस) में एक बहुत बड़ा और ऐतिहासिक बदलाव किया है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने ऐलान किया है कि अब क्लासरूम में छात्रों को 'राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ' के इतिहास और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन पर आधारित 'मोदी तत्व' की विस्तार से पढ़ाई करवाई जाएगी। इन नए विषयों को शामिल करने के पीछे प्रशासन का मकसद छात्रों को देश की वर्तमान सामाजिक और राजनीतिक कार्यप्रणाली से बेहतर ढंग से जोड़ना है।

'मोदी तत्व' में पीएम के व्यक्तित्व और 'मेक इन इंडिया' पर फोकस

इस नए पाठ्यक्रम के तहत छात्रों के लिए 'मोदी तत्व' नाम का एक विशेष विषय शामिल किया गया है, जो पूरी तरह से देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के व्यक्तित्व और उनकी कार्यशैली पर आधारित है। इसमें छात्रों को पीएम मोदी के नेतृत्व क्षमता के गुण, उनके प्रभावशाली व्यक्तित्व और उनके काम करने के खास तरीकों के बारे में गहराई से पढ़ाया जाएगा। इसके साथ ही, समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण से इस बात का भी विश्लेषण किया जाएगा कि 'मेक इन इंडिया' जैसे बड़े सरकारी अभियानों ने भारतीय समाज पर क्या और कितना प्रभाव डाला है।

RSS के इतिहास और राष्ट्रवाद की दी जाएगी विस्तृत शिक्षा

विश्वविद्यालय के सोशियोलॉजी (समाजशास्त्र) विभाग के छात्र अब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जन्म, उसके विस्तृत इतिहास और समाज के

सांस्कृतिक उत्थान में संघ के योगदान को भी समझेंगे। इस विषय के तहत विशेष सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिनमें सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, पर्यावरण संरक्षण और देश के स्वतंत्रता संग्राम में संघ की भूमिका पर चर्चा होगी। इतना ही नहीं, छात्रों को यह भी सिखाया जाएगा कि एक नॉन-प्रॉफिट ऑर्गेनाइजेशन के सफल मैनेजमेंट के लिए संघ की अनुशासित कार्यशैली को समझना क्यों महत्वपूर्ण है।

सावरकर, अंबेडकर और शिवाजी महाराज के विचार भी सिलेबस में शामिल

एमएस यूनिवर्सिटी के 'बोर्ड ऑफ स्टडीज' ने कुल चार नए कोर्सेज को अपनी आधिकारिक मंजूरी दी है, जिनमें देश के महान नायकों और विचारकों को प्रमुख जगह दी गई है। अब छात्र वीर सावरकर, महर्षि अरविंद और डॉ. बीआर अंबेडकर के विचारों का भी गहराई से अध्ययन करेंगे। इसके अलावा छत्रपति शिवाजी महाराज और महाराजा सयाजीराव गायकवाड़ के कुशल शासन व उनके सामाजिक सुधारों को भी पढ़ाया जाएगा। इसी कड़ी में एक चौथा विषय पूरी तरह से 'राष्ट्रवाद' पर केंद्रित रखा गया है, जिसमें राष्ट्र व राज्य की परिभाषा और राष्ट्रवाद पर भारतीय समाजशास्त्रियों के विचारों पर मंथन किया जाएगा।

पाठ्यक्रम में इस बड़े बदलाव पर क्या बोला विश्वविद्यालय प्रशासन?

सिलेबस में किए गए इस अहम बदलाव पर विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग के प्रमुख डॉ. वीरेंद्र सिंह ने प्रशासन का पक्ष रखा है। उनका कहना है कि इन नए विषयों के जुड़ने से छात्र वर्तमान सामाजिक और राजनीतिक परिवेश को कहीं ज्यादा बेहतर तरीके से समझ सकेंगे। उन्होंने बताया कि सरकारी थिंक टैंक 'नीति आयोग' की हालिया शोध परियोजनाओं में छात्रों को सरकारी पहलों के साथ जुड़ते हुए देखा गया है, इसलिए इन अहम विषयों को औपचारिक रूप से सिलेबस का हिस्सा बनाना एक स्वाभाविक और प्रगतिशील कदम माना जा रहा है।

एली अवराम ने लाल साड़ी पहन ढाया कहर, फ्लॉन्ट की पतली कमरिया

एक्ट्रेस एली अवराम एक बार फिर अपने लेटेस्ट लुक को लेकर चर्चा में हैं. हाल ही में उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी कुछ ग्लैमरस तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें वो लाल साड़ी में बेहद खूबसूरत नजर आ रही हैं. उनका ये अंदाज फैंस को खूब पसंद आ रहा है।

एली अवराम ने इंस्ट्राग्राम पर अपनी कई सारी खूबसूरत तस्वीरें शेयर की है. लाल साड़ी में वो बला की हसीन दिख रही हैं. उनका ये लुक फैंस की खूब पसंद आ रहा है. उन्होंने लुक को और भी अट्रैक्टिव बनाने के लिए गोल्डन एक्सेसरीज कैरी की है. सटल मेकअप और खुले बालों में एक्ट्रेस काफी खूबसूरत दिख रही है. उनका ये सादगी भरा अंदाज फैंस का दिल जीत रहा है. एक्ट्रेस ने साड़ी में जमकर पोज दिए है. इस फोटो में वो अपनी पतली कमरिया फ्लॉन्ट करती नजर आईं. उनकी ये तस्वीरें सामने आते ही सोशल मीडिया पर छा गई है. फैंस इनपर खूब प्यार लुटा रहे हैं. एक यूजर ने कमेंट ने लिखा, चेहरा है या चांद खिला है. वहीं दूसरे ने लिखा, ऐसी खूबसूरती नहीं देखी।

दृश्यम 3 का धांसू टीजर जारी, जॉर्जकुट्टी को सता रहा अतीत का डर, क्या सच में रखी जा रही उन पर चोरी-छुपे नजर?

दृश्यम 3 का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा टीजर आखिरकार रिलीज हो गया है. मेकर्स ने मलयालम सुपरस्टार मोहनलाल की दृश्यम फ्रैंचाइजी के तीसरे भाग का टीजर जारी किया है, जो काफी दमदार है. आइए एक नजर डालते हैं टीजर पर...

बुधवार को मेकर्स ने सोशल मीडिया पर मलयाली फिल्म दृश्यम 3 का टीजर नए पोस्टर के साथ सोशल मीडिया पर अपलोड किया और कैप्शन में लिखा, दृश्यम 3 ऑफिशियल टीजर जारी. दुनिया भर में रिलीज, 21 मई 2026.

1 मिनट 50 सेकंड का यह टीजर मोहनलाल की आवाज के साथ शुरू होता है, जिसमें वह अपने परिवार के साथ एक सादा जीवन बिताने के बारे में बात करते हैं; तभी एक बिन बुलाया मेहमान परिवार में घुस आता है, जिसके पास उन्हें तबाह करने की ताकत है. जैसे-जैसे टीजर आगे बढ़ता है, जॉर्जकुट्टी अपनी जिंदगी की मुश्किलों के बारे में सोचता है और अपने परिवार को बचाने के लिए किए गए अपने कामों को मान लेता है.

जब हम उसका चेहरा देखते हैं, तो यह साफ जाहिर होता है कि वह डरे और चिंतित हैं. वह अपना गुनाह कबूल करते है, और अपने मन पर छाए अपराध-बोध के भारी बोझ को जाहिर करते हुए कहते है, जिस दिन मेरा जन्म हुआ, उसी दिन से मैं लड़ाइयां लड़ता आ रहा हूं. मेरे पास ऐसा कोई नहीं था जिसे मैं अपना कह सकूं. सालों की कड़ी मेहनत और संघर्ष के बाद, मैंने अपने लिए एक परिवार बनाया. जब एक ऐसा पल आया जो इस परिवार को तोड़ सकता था, तो मैंने बिना एक पल भी सोचे-समझे कदम उठा लिया.किसी के द्वारा देखे जाने के अंदरूनी डर के साथ, टीजर एक बड़े प्लान के सामने आने का इशारा करता है. इसमें जॉर्जकुट्टी के परिवार वालों की झलक भी दिखाई देती है, जिसमें उसकी पत्नी और बेटियां भी शामिल हैं.इस फिल्म में मोहनलाल के अलावा मीना, अंसीबा हसन, एस्थर अनिल, आशा शरथ, सिद्दीकी, मुरली गोपी, साईकुमार और के.बी. गणेश कुमार शामिल हैं. ये सभी पिछली फिल्मों से अपनी-अपनी भूमिकाएं दोहराते दिखेंगे. दृश्यम 3 21 मई को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी, जो मोहनलाल के 66वें जन्मदिन के दिन ही है.

'पति पत्नी और वो दो' का नया गाना 'दिल वाले चोर' रिलीज, रोमांस और मस्ती का शानदार मेल

अभिनेता आयुष्मान खुराना कॉमेडी ड्रामा फिल्म पति पत्नी और वो दो के जरिए दर्शकों को अपने चुलबुले अंदाज से गुदगुदाने के लिए तैयार हैं। शनिवार को मेकर्स ने फिल्म का नया गाना दिलवाले चोर रिलीज कर दिया। टी-सीरीज ने गाने का क्लिप को अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया। इसके साथ उन्होंने लिखा, इश्क दी डोरी और दिल दी चोरी दोनों एक साथ। गाना दिलवाले चोर रिलीज कर दिया गया है।

यह एक ऐसा गाना है, जो दिल को बहुत सुकून देता है। इस संगीत की लाइनें काफी कैची हैं, जो दर्शकों को दीवाना बना रही है। गाने का संगीत आधुनिक और क्लासिक मेलोडी का एक बेहतरीन मिश्रण है। गाने को आदित्य रिखारी और श्रेया घोषाल ने मिलकर गाया है, जबकि इसके लिरिक्स कुमार ने लिखे हैं और रोचक कोहली ने इसका संगीत तैयार किया है।

वहीं, गाने में आयुष्मान और सारा अली खान की केमिस्ट्री सभी का ध्यान अपनी ओर खींच रही है। गाने में दोनों इश्क फरमाते नजर आ रहे हैं। गाने के बोल आधुनिक रोमांस को बखूबी दर्शाते हैं, जिसमें प्यार की शरारत और दिल को छू लेने वाली भावनाएं घुली हुई हैं। पीयूष-साजिया ने इस गाने को कोरियोग्राफ किया है। यह मेलोडी न केवल प्यार और चाहत की कहानी बुनती है, बल्कि इसमें एक चंचल चार्म भी है जो दर्शकों को खुद से जोड़े रखता है।

मोहनलाल और ममूटी की पैट्रियट ने दुनियाभर में किया धमाका, दो दिन में 50 करोड़ का आंकड़ा किया पार

सुपरस्टार मोहनलाल और ममूटी की फिल्म पैट्रियट ने दुनियाभर में तहलका मचा दिया है. फिल्म ने दो दिन में ही 50 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है. ओवरसीज मार्केट में फिल्म धमाका कर रही है. आइए जानते हैं फिल्म के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के बारे में.सैकनिल्क के मुताबिक, फिल्म ने वर्ल्डवाइड 50.23 करोड़ का कलेक्शन कर लिया है. ओवरसीज मार्केट में फिल्म ने 31.50 करोड़ कमा लिए हैं. फिल्म ने दूसरे दिन ओवरसीज मार्केट में 15 करोड़ की कमाई की.बता दें कि फिल्म ने इंडिया में टोटल ग्रॉस 18.73 करोड़ कमाए. वहीं नेट 16.15 करोड़ कमाए. फिल्म ने पहले दिन 10 करोड़ का कलेक्शन किया. वहीं दूसरे दिन फिल्म की कमाई में थोड़ी कमी देखने को मिली।

सूर्या और तृषा कृष्णन स्टारर फिल्म करुप्पु की रिलीज डेट से उठा पर्दा, 14 मई को सिनेमाघरों में देगी दस्तक

करुप्पु की रिलीज़ डेट पक्की हो गई है। कॉलीवुड स्टार सूर्या अपनी वर्सेटाइल एक्टिंग और दमदार परफॉर्मेंस के लिए मशहूर हैं। हाल के दिनों में, उनकी पूरी कोशिशों के बावजूद, उनकी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं हो पाईं। वह कई प्रोजेक्ट्स में व्यस्त हैं और करुप्पु उन्हीं में से एक है।ताज़ा जानकारी के अनुसार, मेकर्स ने काफी इंतज़ार के बाद आखिरकार फिल्म की रिलीज़ डेट का ऐलान कर दिया है। यह फिल्म 14 मई 2026 को रिलीज़ होगी। मेकर्स ने सूर्या के एक दमदार पोस्टर के साथ रिलीज़ डेट की पुष्टि की और साथ में यह संदेश भी दिया, जिस ऐलान का आप सभी को बेसब्री से इंतज़ार था, वह आ गया है: करुप्पु सिनेमाघरों में - 14 मई 2026 को।इस फिल्म में सूर्या एक वकील की भूमिका निभा रहे हैं, जो एक देवी की शक्ति पाने के बाद समाज में मौजूद बुरे तत्वों से लोहा लेता है। फिल्म में तृषा मुख्य अभिनेत्री की भूमिका में हैं, जबकि इंद्रन्स, नट्टी सुब्रमण्यम, स्वासिका, शिवदा, अनघा माया रवि, सुप्रीत रेड्डी और योगी बाबू जैसे कलाकार अहम भूमिकाएं निभा रहे हैं।

अनुपमा की किंजल बनने वाली थी तुलसी की बेटी परी, निधि शाह ने खुद किया ये बड़ा खुलासा

टीवी एक्ट्रेस निधि शाह लगातार सुर्खियां बटोरती हुई नजर आ रही हैं. अनुपमा में किंजल की भूमिका निभाकर घर-घर में अपनी पहचान बनाने वाली निधि शाह ने हाल ही में एक मजेदार किस्सा शेयर किया है।

निधि शाह ने खुलासा किया कि उन्हें स्मृति ईरानी के शो क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2 में तुलसी की बेटी परी का रोल निभाने के लिए चुना गया था. निधि ने इस बारे में बात करते हुए कहा,मुझे तुलसी की बेटी का किरदार निभाना था।

लेकिन किसी वजह से बात नहीं बन पाई. इसलिए हमें अलग रास्ते को चुनना पड़ा. स्मृति जी सच में एक लीजेंड हैं. बचपन में यहां तक कि जब मैं बहुत छोटी थी, तब भी मैं अपने परिवार के साथ क्योंकि सास भी कभी बहू थी देखा करती थी और आज भी वो पल मुझे याद है.उनका टीवी पर वापसी करना काफी बड़ी और खास बात है. स्मृति ईरानी के कमबैक करने की खबर ने खूब सुर्खियां बटोरी. 2000 में इस शो का टेलीकास्ट हुआ था. इस शो के जरिए स्मृति ईरानी को घर-घर में पहचान मिली थी.तुलसी का कैरेक्टर इंडियन टेलीविजन के इतिहास के सबसे यादगार किरदारों में से एक माना जाता है.ऐसे में क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2 से दर्शकों की उम्मीद बहुत ज्यादा है. मालूम हो क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2 में निधि को जिस कैरेक्टर के लिए चुना गया था, वो शगुन शर्मा प्ले कर रही हैं. आपको बता दें अनुपमा में किंजल के रोल में निधि शाह को खूब पसंद किया जाता था. लेकिन, डेढ़ से दो साल पहले उन्होंने शो को अलविदा कह दिया. उनके शो छोड़ने के पीछे की वजह रुपाली गांगुली संग अनबन को बताया गया था।

जुनैद खान की एक दिन का बॉक्स ऑफिस पर बुरा हाल, दूसरे दिन कमाए सिर्फ इतने

आमिर खान के बेटे जुनैद खान की फिल्म एक दिन शुक्रवार को रिलीज हुई. इस रोमांटिक ड्रामा में जुनैद खान को साई पल्लवी के अपोजिट रोल में देखा गया. साई पल्लवी ने इस फिल्म से बॉलीवुड डेब्यू किया है. इस फिल्म को लेकर काफी चर्चा थी. आमिर खान ने खुद इस फिल्म का प्रमोशन किया. लेकिन फिल्म को अच्छा रिस्पॉन्स नहीं मिल रहा है. फिल्म के रिव्यूज भी खराब थे. आइए जानते हैं दो दिनों में फिल्म ने कितना कलेक्शन कर लिया।

रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म ने दूसरे दिन सिर्फ 1 करोड़ का कलेक्शन किया. फिल्म को 1765 शोज मिले और 14.2 परसेंट की ऑक्यूपेंसी मिली. फिल्म हिंदी, तमिल और तेलुगू तीनों भाषा में रिलीज हुई है.दूसरे दिन हिंदी में फिल्म ने 90 लाख कमाए. वहीं तमिल में 2 लाख और तेलेगू में 8 लाख कमाए.फिल्म का टोटल कलेक्शन 2.15 करोड़ हो गया है. मालूम हो कि फिल्मके दूसरे दिन के कलेक्शन के आंकड़े अभी ऑफिशियली सामने नहीं आए हैं.फिल्म ने पहले दिन 1.15 करोड़ कमाए थे. फिल्म को 14.3 परसेंट ऑक्यूपेंसी मिली और फिल्म को 1961 शोज मिले थे. बता दें कि इस फिल्म के साथ रितेश देशमुख की राजा शिवाजी भी रिलीज हुई है और फिल्म को अच्छे रिव्यूज मिले हैं।

गर्मियों में ब्लूबेरी से बने ये 5 पेय बुझाएंगे आपकी प्यास, देंगे भरपूर ताजगी

ब्लूबेरी एक ऐसी बेरी है, जो स्वाद में लाजवाब होने के साथ-साथ सेहत के लिए भी फायदेमंद है। इसमें विटामिन-सी, विटामिन-के, फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं। इस लेख में हम आपको ब्लूबेरी से बनाए जाने वाले कुछ पेय की रेसिपी बताएंगे, जो गर्मियों के लिए बेहतरीन हैं और इन्हें बनाना आसान है। इन पेय को बनाकर आप अपने परिवार और दोस्तों को खुश कर सकते हैं। ये आपको भरपूर ताजगी भी प्रदान करेंगे।

ब्लूबेरी और पुदीने का ठंडा पेय

ब्लूबेरी और पुदीने का ठंडा पेय एक ताजगी भरा विकल्प है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले कुछ ताजा ब्लूबेरी को पीस लें, फिर इसमें थोड़ी पुदीने की पत्तियां डालकर अच्छे से पीसें। अब इस मिश्रण को छानकर इसमें ठंडा पानी मिलाएं और स्वादानुसार चीनी डालें। अंत में इसमें बर्फ के टुकड़े डालकर परोसें। यह पेय न केवल स्वादिष्ट है, बल्कि पाचन के लिए भी फायदेमंद है। इसे पीने से आपको हाइड्रेटेड भी महसूस होगा।

ब्लूबेरी और नारियल पानी का शेक

ब्लूबेरी और नारियल पानी का शेक एक पौष्टिक पेय है, जिसे आप आसानी से बना सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले कुछ ताजा ब्लूबेरी को पीस लें, फिर इसमें नारियल पानी डालकर अच्छे से मिलाएं। अब इस मिश्रण को एक गिलास में डालकर ऊपर से थोड़ा घिसा हुआ नारियल डालें और बर्फ के टुकड़े डालें। यह शेक न केवल स्वादिष्ट है, बल्कि इसमें मौजूद पोषक तत्व आपके शरीर को ताजगी भरी ऊर्जा देंगे।

ब्लूबेरी और दही की लस्सी

ब्लूबेरी और दही की लस्सी एक पारंपरिक भारतीय पेय है, जिसे आप नए अंदाज में बना सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले दही को मथकर उसमें पिसी हुई चीनी मिलाएं। इसके बाद इसमें पिसी हुई ब्लूबेरी डालें और अच्छी तरह मिलाएं। अब इस मिश्रण को लंबे गिलास में डालकर ऊपर से थोड़ा इलायची पाउडर छिड़कें और बर्फ के टुकड़े डालें। यह पेय न केवल स्वादिष्ट है, बल्कि पाचन के लिए भी फायदेमंद है।

ब्लूबेरी और अदरक का ठंडा पेय

ब्लूबेरी और अदरक का ठंडा पानी एक स्वास्थ्यवर्धक पेय है, जिसे आप आसानी से बना सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले कुछ ताजा ब्लूबेरी को मसलकर पानी में डालें, फिर इसमें थोड़ी-सी कद्दूकस की हुई अदरक मिला दें। अब इस मिश्रण को कुछ देर के लिए ठंडा होने के लिए रख दें, ताकि इसका स्वाद अच्छे से मिल जाए। यह पेय आपके शरीर को हाइड्रेटेड रखने में मदद करेगा और आपको ताजगी भरी ऊर्जा देगा।

ब्लूबेरी और संतरे का रस

ब्लूबेरी और संतरे का रस एक ताजगी भरा पेय है, जिसे आप किसी भी समय पी सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले संतरे का रस निकाल लें और उसमें कुछ पिसी हुई ब्लूबेरी मिला दें। अब इस मिश्रण को अच्छे से मिलाएं, ताकि सारे तत्व अच्छे से मिल जाएं। अंत में इसमें बर्फ के टुकड़े डालें और ठंडा-ठंडा परोसें। यह रस न केवल स्वादिष्ट है, बल्कि विटामिन-सी से भरपूर भी है।

सब्जियों में कृत्रिम रंगों के इस्तेमाल की पहचान करने में काम आएंगी ये टिप्स

अक्सर बाजार में सब्जियों को कृत्रिम रंग से चमकदार बनाया जाता है। इससे वे देखने में आकर्षक लगती हैं, लेकिन यह हमारी सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकता है। इसलिए, यह जानना जरूरी है कि सब्जियां ताजी हैं या नहीं। आज हम आपको कुछ सरल तरीके बताने वाले हैं, जिनसे आप सब्जियों की ताजगी का पता लगा सकते हैं और जान सकते हैं कि उनमें कृत्रिम रंग इस्तेमाल हुए हैं या नहीं।

सब्जियों की खुशबू और रंग से लगाएं पता

जब आप सब्जियां खरीदें, तो उन्हें सूंघकर देखें। ताजा सब्जियों की महक अच्छी होती है, जबकि कृत्रिम रंगों से रंगी हुई सब्जियों में कोई खास खुशबू नहीं होती। इसके अलावा ताजा सब्जियां छूने पर नरम महसूस होती हैं, जबकि रंगी हुई सब्जियां सख्त होती हैं। आप उंगली से घिसकर भी देख सकते हैं कि कहीं सब्जी का रंग उतर तो नहीं रहा है। अगर ऐसा हो तो सब्जी का सेवन न करें।

काटकर देखें

सब्जियों को काटकर भी आप उनकी ताजगी की जांच कर सकते हैं। ताजा सब्जियों को काटने पर जो रस निकलता है वह हल्का होता है, जबकि रंगी हुई सब्जियों का रस गहरा होता है। अगर सब्जियों को काटने पर रस नहीं निकलता, तो वे कृत्रिम रंग वाली हो सकती हैं। साथ ही ऐसी सब्जियों को काटने पर वे अंदर से ताजा नहीं लगती हैं, जो एक सीधा संकेत है कि उन्हें रासायनिक प्रक्रिया से पकाया गया है।

स्वाद से पहचानें

सब्जियों का स्वाद चखकर भी उनकी ताजगी का अंदाजा लगाया जा सकता है। अगर स्वाद कड़वा या अजीब लगता है तो संभव है कि उसमें रंग का इस्तेमाल हुआ हो। ताजा सब्जियों का स्वाद अच्छा और प्राकृतिक होता है, जो किसी भी तरह से रासायनिक नहीं लगता है। साथ ही जब आप ऐसी सब्जियों को पकाते हैं तो भी उनका रंग आसानी से उतरने लगता है। पकाने के बाद उनकी बनावट भी बदल सकती है।

सब्जियों को छीलने से भी चल जाएगा पता

सब्जियों को छीलकर भी उनकी ताजगी देखी जा सकती है। अगर छिलके का रंग बदल जाता है, तो समझिए कि उसमें रंग का इस्तेमाल हुआ है। ताजा सब्जियों का छिलका अपने असली रंग में रहता है, चाहे आप उसे छीलने से पहले साफ भी कर लें। इन तरीकों से आप सब्जियों की ताजगी आसानी से पहचान सकते हैं और जान सकते हैं कि वे कृतिम रंगों से तो नहीं रंगी गई हैं।

सीजफायर के बीच महायुद्ध की आहट: ट्रंप की ईरान को खुली चेतावनी- डील करो, वरना तबाही तय

नई दिल्ली (आरएनएस)। अमेरिका और ईरान के बीच भले ही फिलहाल सीजफायर लागू हो, लेकिन दोनों देशों के रिश्तों में तनाव लगातार बना हुआ है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर ईरान को सख्त संदेश देते हुए कहा है कि अगर समझौता नहीं हुआ तो सैन्य कार्रवाई से इनकार नहीं किया जा सकता। परमाणु कार्यक्रम, होर्मुज स्ट्रेट में बढ़ता तनाव और सुरक्षा गारंटी जैसे मुद्दों पर दोनों देशों के बीच सहमति नहीं बन पा रही है, जिससे क्षेत्र में बड़े संघर्ष की आशंका फिर तेज हो गई है।

इसी बीच ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने ओमान के विदेश मंत्री बद्र अलबुसैदी से फोन पर बातचीत की। दोनों नेताओं ने क्षेत्र की मौजूदा स्थिति और शांति बहाली के प्रयासों पर चर्चा की। ईरान की ओर से कहा गया कि वह कूटनीतिक रास्ते से अमेरिका और इजरायल के साथ जारी तनाव को खत्म करना चाहता है। हालांकि सीजफायर के बावजूद हालात पूरी तरह सामान्य नहीं हुए हैं। अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत बार-बार तीन अहम मुद्दों पर अटक रही है। इनमें ईरान का परमाणु कार्यक्रम, होर्मुज स्ट्रेट में समुद्री गतिविधियों पर नियंत्रण और भविष्य में हमले नहीं करने की गारंटी शामिल है। अमेरिका इन मामलों में सख्त रुख अपनाए हुए है, जबकि ईरान भी अपनी शर्तों से पीछे हटने को तैयार नहीं दिख रहा।डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि ईरान पहले की तुलना में कमजोर स्थिति में है और समझौते के लिए दबाव में है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी प्रशासन के पास डील का प्रारूप पहुंच चुका है और जल्द ही इस पर फैसला लिया जाएगा। ट्रंप ने यह भी संकेत दिया कि यदि ईरान ने गलत कदम उठाया तो सैन्य विकल्प खुला रहेगा। उधर, होर्मुज स्ट्रेट को लेकर तनाव लगातार बढ़ रहा है। अमेरिकी प्रतिबंधों और समुद्री दबाव का असर ईरान की अर्थव्यवस्था पर साफ दिखाई दे रहा है। भारी तेल उत्पादन के बावजूद ईरान को निर्यात में मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है, जिससे उसकी आय प्रभावित हुई है। इसका असर उन देशों पर भी पड़ रहा है जो ईरानी तेल पर निर्भर रहे हैं, खासकर चीन। ईरानी मीडिया के अनुसार, अमेरिका की ओर से रखी गई शर्तों के जवाब में तेहरान ने नया प्रस्ताव भेजा है। बताया जा रहा है कि इस प्रस्ताव में तनाव कम करने के लिए चरणबद्ध योजना, होर्मुज क्षेत्र में राहत और परमाणु मुद्दे पर सीमित लचीलापन शामिल है। इसके साथ ही ईरान ने प्रतिबंधों में ढील और सुरक्षा की गारंटी की मांग भी दोहराई है।ईरान के उप विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी ने कहा कि उनका देश बातचीत और शांति के लिए तैयार है, लेकिन राष्ट्रीय हितों से समझौता नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि अब यह अमेरिका पर निर्भर करता है कि वह कूटनीति को प्राथमिकता देता है या टकराव का रास्ता चुनता है। फिलहाल दोनों देशों के बीच बातचीत जारी है, लेकिन अविश्वास और कठोर शर्तों के कारण समझौते की राह आसान नहीं दिख रही। दुनिया की नजर अब इस बात पर टिकी है कि क्या नया प्रस्ताव मध्य पूर्व में शांति ला पाएगा या फिर क्षेत्र एक बड़े संकट की ओर बढ़ेगा।

होर्मुज जलडमरुमध्य में फंसे जहाजों को निकालने के लिए अभियान शुरू करेगा अमेरिका

वाशिंगटन, (आरएनएस)। अमेरिका होर्मुज जलडमरूध्य में फंसे जहाजों को निकालने के लिए अभियान शुरू करेगा। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसकी जानकारी दी है। उन्होंने कहा, ईरान युद्ध से तटस्थ और निर्दोष देश प्रभावित हुए हैं, और हमने इन देशों से कहा है कि हम उनके जहाजों को इन प्रतिबंधित जलमार्गों से सुरक्षित रूप से बाहर निकालेंगे, ताकि वे स्वतंत्र रूप से और कुशलता से अपना काम कर सकें। ये अभियान आज सुबह से शुरू हो गया है।

ट्रंप ने कहा, दुनिया भर के देशों ने अमेरिका से पूछा है कि क्या हम उनके जहाजों को छुड़ाने में मदद कर सकते हैं? ये जहाज होर्मुज में फंसे हुए हैं। ईरान, मध्य-पूर्व और संयुक्त राज्य अमेरिका की भलाई के लिए, हमने इन देशों से कहा है कि हम उनके जहाजों को इन प्रतिबंधित जलमार्गों से सुरक्षित रूप से बाहर निकालने में उनका मार्गदर्शन करेंगे, ताकि वे आजादी से और कुशलतापूर्वक अपना काम-काज जारी रख सकें।

ट्रंप ने कहा, यह प्रक्रिया, जिसे प्रोजेक्ट फ्रीडम नाम दिया गया है, सोमवार सुबह शुरू होगी। मुझे पूरी जानकारी है कि मेरे प्रतिनिधि ईरान देश के साथ बहुत ही सकारात्मक चर्चाएं कर रहे हैं। इनके परिणामस्वरूप सभी के लिए कुछ बहुत ही सकारात्मक परिणाम सामने आ सकते हैं। मेरा मानना है कि यह कदम उन सभी लोगों की ओर से सद्भावना प्रदर्शित करने में एक लंबा रास्ता तय करेगा, जो पिछले कई महीनों से संघर्ष कर रहे हैं।

ईरान-पाकिस्तान के विदेश मंत्रियों ने की फोन पर बातचीत, क्षेत्रीय शांति और स्थिरता को बढ़ावा देने पर हुई चर्चा

इस्लामाबाद,(आरएनएस)। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने पाकिस्तान के उपप्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने फोन पर बात की। दोनों नेताओं ने अमेरिका और ईरान के बीच मौजूदा हालात और स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए पाकिस्तान की कोशिशों को लेकर बातचीत की। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि डिप्टी प्राइम मिनिस्टर और विदेश मंत्री इशाक डार ने ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची से फोन पर बात की। दोनों पक्षों ने मौजूदा इलाके के हालात और इलाके में शांति और स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए पाकिस्तान की चल रही डिप्लोमैटिक कोशिशों पर चर्चा की। बयान में कहा गया कि ईरान के विदेश मंत्री ने संबंधित पक्षों के बीच पाकिस्तान की संरचनात्मक भूमिका और ईमानदारी से मध्यस्थता की कोशिशों की सराहना की।

डार ने रचनात्मक संवाद को बढ़ावा देने के लिए पाकिस्तान की प्रतिबद्धता को दोहराया और जोर दिया कि बातचीत और डिप्लोमेसी ही मुद्दों के शांतिपूर्ण समाधान और इस क्षेत्र और उससे आगे स्थायी शांति और स्थिरता हासिल करने का एकमात्र सही रास्ता है। इसके अलावा, विदेश मंत्रालय ने कन्फर्म किया है कि अमेरिका के विश्वास बहाली के उपाय के तहत जब्त किए गए ईरानी जहाज के क्रू मेंबर्स को पाकिस्तान ले जाया गया और आज उन्हें ईरान को सौंप दिया जाएगा।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी ने एक्स पर लिखा, अमेरिका की तरफ से जब्त किए गए ईरानी कंटेनर जहाज 'एमवी तोऊसका' पर मौजूद 22 क्रू मेंबर्स को विश्वास बहाली के उपाय के तहत पाकिस्तान ले जाया गया है।

ताहिर अंद्राबी ने कहा, ईरानी जहाज को भी जरूरी रिपेयर के बाद उसके असली मालिकों को लौटाने के लिए पाकिस्तान के पानी में वापस भेजा जाएगा। ईरान और अमेरिका दोनों तरफ से सहयोग जारी है।

अंद्राबी ने कहा कि पाकिस्तान इलाके की शांति और सुरक्षा के लिए चल रही मध्यस्थता की कोशिशों को आगे बढ़ाते हुए बातचीत और डिप्लोमेसी को आसान बनाता रहेगा।

इमरान खान को झटका, कोर्ट ने की याचिका खारिज

इस्लामाबाद(आरएनएस)। इस्लामाबाद हाई कोर्ट (आईएचसी) ने सोमवार को पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी बेगम बुशरा बीबी की उन याचिकाओं को खारिज कर दिया, जिनमें 190 मिलियन पाउंड के भ्रष्टाचार मामले में उनकी सजा सस्पेंड करने की मांग की गई थी। कोर्ट ने कहा कि उनकी मुख्य अपीलों पर सुनवाई पहले ही तय हो चुकी है। पाकिस्तान के जाने-माने अखबार डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक, चीफ जस्टिस सरदार मुहम्मद सरफराज डोगर की अगुवाई वाली दो सदस्यीय बेंच 7 मई को सेंट्रल अपील पर सुनवाई करेगी। कोर्ट ने निलंबन आवेदन को अप्रासंगिक बताया। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) संस्थापक इमरान खान तोशखाना मामले में अगस्त 2023 से जेल में हैं, और 190 मिलियन पाउंड (अल-कादिर ट्रस्ट) मामले में रावलपिंडी की अदियाला जेल में 14 साल की सजा काट रहे हैं।

2025 में, इस्लामाबाद की एक अकाउंटेबिलिटी कोर्ट ने इस केस में इमरान खान और बुशरा बीबी को क्रम से 14 और सात साल जेल की सजा सुनाई थी। कपल ने इस्लामाबाद हाई कोर्ट में इसे चुनौती दी है।

उन पर आरोप है कि उन्होंने एक रियल एस्टेट फर्म से अवैध लाभ के बदले में जमीन हासिल की और ट्रस्ट बनाकर 50 अरब पाकिस्तानी रुपये को वैध बनाने की कोशिश की।

पीटीआई लगातार इमरान की सजा का विरोध करती आई है और उनकी हिरासत का पुरजोर विरोध किया है। पूर्व पीएम जेल में 1,000 दिन गुजार चुके हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार पार्टी उनकी सजा को राजनीति से प्रेरित, संवैधानिक और कानूनी रूप से कमजोर बताती आई है।

आईआरजीसी ने जारी किया नया नक्शा, होर्मुज स्ट्रेट की सीमाओं को अपने नियंत्रण में बताया

तेहरान(आरएनएस)। ईरान में इस्लामिक क्रांतिकारी गार्ड कोर नेवी (आईआरजीसी) ने सोमवार को एक नया मानचित्र जारी किया है, जिसमें उसने होर्मुज स्ट्रेट क्षेत्र को ईरान की सेना के कंट्रोल में दिखाया। आईआरजीसी नेवी ने कहा कि यह क्षेत्र ईरान में कुह-ए-मोबारक और संयुक्त अरब अमीरात में फुजैरा के दक्षिण के बीच की एक लाइन से शुरू होता है और ईरान के केशम आइलैंड के आखिर और यूएई में उम्म अल क्वैन के बीच की एक और लाइन से शुरू होता है। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं था कि उनके नियंत्रण का क्षेत्र बदला है या नहीं या कितना बदला है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघेई ने यूएई के तेल प्रोड्यूसर्स ग्रुप ओपेक छोड़ने के फैसले पर बयान जारी किया है। बाघेई ने कहा कि ओपेक से निकलना सदस्यों के प्रति नकारात्मक या बदले की भावना से किया गया रिएक्शन नहीं है।विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि ईरान ओपेक के अंदर अपनी प्रतिबद्धता बनाए रखेगा।

कनाडा ने खालिस्तान चरमपंथियों को 'राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा' घोषित किया

नई दिल्ली(आरएनएस)। कनाडा की खुफिया एजेंसी ने खालिस्तानी उग्रवादियों को देश की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा करार दिया है। एजेंसी का कहना है कि कनाडा में सक्रिय कुछ चरमपंथी समूह सरकारी और सामाजिक संस्थानों का इस्तेमाल कर अपने अलगाववादी एजेंडे को बढ़ावा दे रहे हैं। साथ ही, समुदाय के भीतर से जुटाए गए धन का उपयोग हिंसक गतिविधियों और प्रचार अभियानों में किए जाने की भी आशंका जताई गई है।कनाडियन सिक्योरिटी इंटेलिजेंस सर्विस की वर्ष 2025 की सार्वजनिक रिपोर्ट शुक्रवार को सरकार की आधिकारिक वेबसाइट पर जारी की गई। रिपोर्ट में कहा गया है कि कनाडा में मौजूद कुछ खालिस्तानी समर्थक तत्व लंबे समय से सुरक्षा एजेंसियों की निगरानी में हैं और उनकी गतिविधियां चिंता का विषय बनी हुई हैं। रिपोर्ट के अनुसार, ये उग्रवादी समूह कनाडा में उपलब्ध स्वतंत्र संस्थागत ढांचे और सामुदायिक नेटवर्क का उपयोग अपने प्रचार और फंडिंग के लिए करते हैं। एजेंसी ने कहा कि कुछ लोग समुदाय से आर्थिक सहायता जुटाकर उसे हिंसा से जुड़ी गतिविधियों और विदेशी अभियानों में इस्तेमाल करने की कोशिश करते हैं। सीएसआईएस ने स्पष्ट किया कि खालिस्तानी उग्रवाद उन संगठनों और व्यक्तियों से जुड़ा है, जो भारत के भीतर अलग संप्रभु राज्य की मांग का समर्थन करते हैं।

खेल समाचार

थॉमस कप 2026 में फ्रांस का बड़ा उलटफेर, भारत को सेमीफाइनल में हराकर चौंकाया

होरसेंस (डेनमार्क)(ए.)। थॉमस कप 2026 के सेमीफाइनल में, पूर्व विजेता भारत को फ्रांस ने 0-3 से हराकर टूर्नामेंट में एक बड़ा उलटफेर कर दिया. इसके साथ ही पुरुषों की टीम बैडमिंटन प्रतियोगिता में भारत का अभियान थम गया. जहां फ्रांस ने अपने पहले थॉमस कप फाइनल में पहुंचकर इतिहास रच दिया, वहीं भारत को कांस्य पदक से ही संतोष करना पड़ेगा.

क्वार्टरफाइनल में कोहनी में चोट लगने के कारण लक्ष्य सेन की गैरमौजूदगी में पहला सिंगल्स खेल रहे आयुष शेट्टी, विश्व के चौथे नंबर के खिलाड़ी क्रिस्टो पोपोव से सिर्फ 39 मिनट में 11-21, 9-21 से हार गए, जिससे फ्रांस ने 1-0 की बढ़त बना ली. श्रीकांत किदांबी ने विश्व के 10वें नंबर के खिलाड़ी एलेक्स लानियर के खिलाफ अच्छी टक्कर दी, लेकिन 41 मिनट में 16-21, 18-21 से हार गए.

तीसरे सिंगल्स में, एच.एस. प्रणॉय ने विश्व के 17वें नंबर के खिलाड़ी टोमा जूनियर पोपोव के साथ कड़ा मुकाबला किया. लेकिन वो भी पहला गेम 19-21 से और दूसरा 16-21 से हार गए, जिससे फ्रांस ने एक यादगार जीत पक्की कर ली.

भारत की पुरुष टीम अंतिम चार में पहुंची थी, इसलिए उन्होंने एक पदक पक्का किया था, लेकिन टूर्नामेंट के इतिहास में भारत केवल दूसरी बार इस चरण तक पहुंचा था. इससे पहले उन्होंने 2022 में यह खिताब जीता था. इस बीच, फ्रांस ने ग्रुप चरण में 14 बार के चैंपियन इंडोनेशिया को चौंका दिया था और क्वार्टरफाइनल में जापान को 3-0 से हराया था.

इस बड़े मुकाबले से ठीक पहले, भारत को एक बड़ा झटका लगा जब लक्ष्य सेन को चोट के कारण सेमीफाइनल मैच से हटना पड़ा. इस झटके ने भारत की उम्मीदों पर लगभग पानी ही फेर दिया, क्योंकि उन्हें इस बेहद अहम मुकाबले के लिए अपनी टीम का कॉम्बिनेशन फिर से बनाना पड़ा.

कोलकाता ने हैदराबाद के विजयी रथ को रोका, 7 विकेट से दी मात

नईदिल्ली,(ए.)। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के 45वें मैच कोलकाता नाइट राइडर्स ने सनराइजर्स हैदराबाद को 7 विकेट से मात दे दी. 166 रनों के लक्ष्य को केकेआर ने 3 विकेट खोकर 18.2 ओवर में ही हासिल कर लिया. जिसमें कप्तान रहाणे 36 गेंद में 43, फिन एलन के 13 गेंद में 29, अंगकृष रघुवंशी के 47 गेंद में 59 और रिंकू सिंह के 11 गेंद में नाबाद 22 रन सबसे अहम थे.

हैदराबाद की तरफ से कप्तान पैट कमिंस, शिवंग कुमार और साकिब हुसैन एक-एक लेने में सफल रहे.

इस जीत के साथ केकेआर ने हैदराबाद की लगातार पांच जीत के सिलसिले को भी तोड़ दिया है. इस मैच का नतीजा आने के बाद भी अंक तालिका में कोई ज्यादा बदलाव नहीं हुआ. क्योंकि केकेआर अभी भी 8 स्थान पर ही है, लेकिन उनके अंक 5 से बढ़कर सात हो गए है. वहीं हैदराबाद अभी भी तीसरे स्थान पर ही है.

इससे पहले सनराइजर्स हैदराबाद की टीम ट्रेविस हेड (61 रन) के अर्धशतक के बावजूद कोलकाता नाइट राइडर्स के स्पिनरों के शानदार प्रदर्शन के सामने 19 ओवर में 165 रन पर सिमट गई. एक समय हैदराबाद को स्कोर 105 रन पर एक ही विकेट था. लेकिन उसके बाद केकेआर के स्पिनरों ने मैच में ऐसी वापसी की कि पूरी टीम को 165 रन पर ही ढेर कर दिया.

केकेआर के लिए स्पिनरों में वरुण चक्रवर्ती ने 36 रन देकर तीन विकेट जबकि सुनील नारायण ने दो विकेट चटकाए. कार्तिक त्यागी को दो विकेट मिले जबकि कैमरन ग्रीन, अनुकूल रॉय और वैभव अरोड़ा ने एक एक विकेट झटका.

हार्दिक, ईशान और यशस्वी की बढ़ीं मुश्किलें, 'GF कल्चर' पर भड़का BCCI; अब रातों-रात बदलने जा रहा ये बड़ा नियम

नई दिल्ली(ए.)। भारतीय क्रिकेट और आईपीएल में इन दिनों एक नया ट्रेंड तेजी से पनप रहा है, जिसने क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की नींद उड़ा दी है। आईपीएल 2026 के दौरान कई दिग्गज और युवा खिलाड़ी अपनी-अपनी गर्लफ्रेंड के साथ घूमते नजर आ रहे हैं। इस 'गर्लफ्रेंड कल्चर' को लेकर अब बीसीसीआई ने सख्त रुख अपनाने का मन बना लिया है। जल्द ही खिलाड़ियों की महिला मित्रों के टीम बस, स्टेडियम और होटल में साथ रुकने पर कड़ी पाबंदी लगाई जा सकती है। हार्दिक पंड्या, अर्शदीप सिंह, ईशान किशन और यशस्वी जायसवाल जैसे खिलाड़ियों की देखादेखी अब नए खिलाड़ी भी इस कल्चर का हिस्सा बन रहे हैं, जिस पर लगाम लगाने की तैयारी हो चुकी है।

सट्टेबाजी का डर और विवादों के साये में 'गर्लफ्रेंड कल्चर'

एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, बीसीसीआई इस मामले को लेकर बेहद गंभीर है। बोर्ड के एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना है कि खिलाड़ियों की पत्नियों या परिवार के होटल में रुकने पर कोई ऐतराज नहीं है, लेकिन गर्लफ्रेंड के मामले में कड़े नियम बनाने की सख्त जरूरत है। दरअसल, बोर्ड की चिंता का सबसे बड़ा कारण यह है कि इनमें से कुछ महिला मित्र पहले सट्टेबाजी (बेटिंग) का प्रचार करने वाली वेबसाइटों से जुड़ी रही हैं। इसके अलावा, हाल ही में कुछ खिलाड़ियों पर उनकी महिला मित्रों द्वारा

केस दर्ज कराने के मामले भी सामने आए हैं, जिससे भारतीय क्रिकेट की छवि पर बड़ा खतरा मंडरा रहा है।

'ऑफिशियली अनाउंसड गर्लफ्रेंड' का तर्क सुनकर उड़े अधिकारियों के होश

इस पूरे मामले में सबसे हैरान करने वाला खुलासा तब हुआ जब बीसीसीआई के एक अधिकारी ने एंटी करप्शन यूनिट (एसीयू) से इस बारे में पूछताछ की। रिपोर्ट के मुताबिक, जब अधिकारी ने पूछा कि गर्लफ्रेंड को टीम होटल में रुकने की इजाजत कैसे मिल रही है, तो एसीयू का जवाब था कि उन्हें पत्नियों और 'ऑफिशियली अनाउंसड गर्लफ्रेंड' को साथ रुकने की अनुमति देने को कहा गया है। यह सुनकर बीसीसीआई अधिकारी भी दंग रह गए कि आखिर यह 'ऑफिशियली अनाउंसड गर्लफ्रेंड' का नियम आया कहां से, क्योंकि बोर्ड की तरफ से ऐसा कोई नियम कभी बनाया ही नहीं गया था।

इन स्टार खिलाड़ियों की छिनेगी आजादी, अगले सीजन से लागू होंगे सख्त नियम

इस खुलासे के बाद अब यह तय माना जा रहा है कि बीसीसीआई अपनी आगामी बैठक में इस मुद्दे पर गंभीर चर्चा करेगा। किसी बड़े बवाल या फिक्सिंग जैसे विवाद से बचने के लिए अगले आईपीएल सीजन से पहले ही नए और कठोर नियम लागू किए जा सकते हैं। पहले आईपीएल के दौरान गर्लफ्रेंड को होटल में रुकने की अनुमति नहीं थी, लेकिन अब यह एक ट्रेंड बन गया है। अगर नए नियम लागू होते हैं, तो मौजूदा सीजन में अपनी गर्लफ्रेंड के साथ खुलकर घूम रहे हार्दिक, ईशान, अर्शदीप और यशस्वी जैसे तमाम खिलाड़ियों पर इसका सीधा असर पड़ेगा और उन्हें होटल और टीम बस में इस तरह की आजादी नहीं मिल पाएगी।

पंजाब की लगातार दूसरी हार, गुजरात ने रोमांचक मुकाबले में 4 विकेट से हराया

नईदिल्ली(ए.)। गुजरात टाइटंस ने एक तनावपूर्ण मुकाबले के आखिरी पलों में अपना संयम बनाए रखते हुए पंजाब किंग्स पर चार विकेट से जीत दर्ज की. रविवार को नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए आईपीएल 2026 के एक रोमांचक मैच में, गुजरात टाइटंस ने 164 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए, सिर्फ एक गेंद शेष रहते हुए जीत हासिल की.

लक्ष्य का पीछा करने का यह सफर पूरे मैच के दौरान उतार-चढ़ाव भरा रहा, लेकिन वॉशिंगटन सुंदर की 23 गेंदों पर खेली गई नाबाद 40 रनों की पारी ने मैच का फैसला नाटकीय अंदाज में गुजरात टाइटंस के पक्ष में कर दिया.

आखिरी ओवर में जब जीत के लिए 11 रनों की जरूरत थी, तब सुंदर ने अपना संयम बनाए रखा और मार्कस स्टोइनिस की गेंद पर डीप बैकवर्ड स्क्वायर लेग के ऊपर से एक सोची-समझी स्कूप शॉट खेलकर छक्का जड़ा. इस शॉट के साथ ही उन्होंने एक तनावपूर्ण, लेकिन पूरी तरह से नियंत्रित लक्ष्य-प्राप्ति के सफर को जीत के साथ समाप्त किया. गुजरात की पारी की शुरुआत काफी तेज गति से हुई, भले ही कप्तान शुभमन गिल अर्शदीप सिंह की गेंद पर जल्दी ही आउट हो गए थे. इसके बाद साई सुदर्शन ने 41 गेंदों पर संयमित 57 रनों की पारी खेलते हुए पारी को संभाला।

आईपीएल में आज होगा सीएसके और दिल्ली कैपिटल्स का मुकाबला

नई दिल्ली (ए.)। दिल्ली कैपिटल्स की टीम आईपीएल में मंगलवार को अपने घरेलू मैदान पर चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी। दिल्ली का लक्ष्य जीत के साथ ही प्लेऑफ के लिए अपनी उम्मीदें बनाये रखना रहेगा। दिल्ली ने अब तक खेले गए नौ मैचों में से चार में जीत हासिल की है जबकि उसे पांच में हार का सामना करना पड़ा है और वह अंक तालिका में सातवं स्थान पर है। वहीं दूसरी ओर सीएसके ने अबतक नौ मैचों में चार जीत हासिल की है और वह भी 6 अंक लेकर छठे स्थान पर है। नेट रन रेट बेहतर होने के कारण वह दिल्ली से अंक तालिका में ऊपर है। पिछले मैच में मुम्बई इंडियंस के खिलाफ मिली जीत से भी सीएसक टीम उत्साहित है। उसके कप्तान रुतुराज गायकवाड़ भी फार्म में आ गये हैं जिससे टीम की बल्लेबाजी मजबूत हुई है। टीम के पास संजू सैसमन जैसा बल्लेबाज भी है। सैमसन ने अब तक दो शतक लगाये हैं। जहां तक गेंदबाजी की बात है दोनो ही टीमों के पास अच्छे गेंदबाज हैं। दिल्ली के पास मिचेल स्टार्क के अलावा कुलदीप यादव और टी नटराजन जैसे गेंदबाज हैं। वहीं सीएसके के पास अंशुल कंबोज और मुकेश चौधरी व नूर अहमद हैं।

अक्षर पटेल की कप्तानी वाली दिल्ली कैपिटल्स की बल्लेबाजी केएल राहुल के अलावा ट्रिस्टन स्टब्स और पथुम निसांका पर आधारित रहेगी।

दोनो ही टीमों के बीच अबतक 32 मुकाबले हुए है, इनमें से

दिल्ली कैपिटल्स ने 12 जबकि चेन्नई सुपर किंग्स ने 20 मैच जीते हैं।

दोनो ही टीमों की संभावित अंतिम ग्यारह

चेन्नई सुपर किंग्स: रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान),संजू सैमसन (विकेटकीपर), उर्विल पटेल, डेवाल्ड ब्रेविस, शिवम दुबे, जेमी ओवरटन, रामकृष्ण घोष, प्रशांत वीर, नूर अहमद, अंशुल कंबोज और मुकेश चौधरी

इम्पैक्ट प्लेयर: कार्तिक शर्मा

दिल्ली कैपिटल्स: अक्षर पटेल (कप्तान),केएल राहुल (विकेटकीपर), पथुम निसांका, समीर रिजवी, ट्रिस्टन स्टब्स, नितीश राणा, आशुतोष शर्मा, काइल जैमीसन, मिचेल स्टार्क, कुलदीप यादव और टी नटराजन।

मैड्रिड ओपन 2026: जैनिक सिनर का कमाल, लगातार पांचवां मास्टर्स खिताब जीतकर रचा इतिहास

नईदिल्ली,(ए.)। दुनिया के नंबर वन टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर ने मैड्रिड ओपन में पुरुषों का सिंगल्स खिताब अपने नाम कर लिया. उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में अलेक्जेंडर ज्वेरेव को 6-1, 6-2 से मात दी. इस जीत के साथ, सिनर इतिहास के पहले ऐसे पुरुष खिलाड़ी बन गए हैं जिन्होंने लगातार पांच मास्टर्स खिताब जीते हैं. वह इस सीजन के पहले चार मास्टर्स इवेंट जीतने वाले भी पहले खिलाड़ी हैं.

मैड्रिड का यह खिताब सिनर का 9वां मास्टर्स 1000 खिताब है. यह उस शानदार दौर की पराकाष्ठा है, जिसकी शुरुआत पिछले साल अक्टूबर में शंघाई में उनके रिटायर होने के बाद हुई थी. तब से, 24 वर्षीय इस खिलाड़ी ने पेरिस, इंडियन वेल्स, मियामी, मोंटे-कार्लो और अब मैड्रिड में खिताब जीते हैं. इस दौरान उन्होंने इन सभी टूर्नामेंट्स में मिलाकर सिर्फ कुछ ही सेट्स गंवाए हैं.

इस इतालवी स्टार ने अब मास्टर्स इवेंट्स में लगातार 28 मैच जीते हैं, साथ ही इस स्तर पर खेले गए अपने पिछले 58 सेटों में से 56 सेट भी जीते हैं. सिनर ने अपने पिछले 47 मैचों में से 45 मैच भी जीते हैं, जो उनकी जबरदस्त निरंतरता को दिखाता है.

सिनर ने नौ में से आठ मास्टर्स 1000 खिताब पहले ही जीत लिए हैं, और अब तक सिर्फ़ रोम में होने वाला इटैलियन ओपन ही उनकी पहुंच से बाहर रहा है.

कलेक्टर के निर्देश पर हुआ जनसुनवाई शिकायत पर एक्शन, बिजली समस्या का हुआ समाधान

क्षतिग्रस्त लाइन में किया गया सुधार किसानों को मिली राहत

नर्मदापुरम (निप्र)। जिले में जनसुनवाई के माध्यम से प्राप्त शिकायतों का त्वरित एवं प्रभावी निराकरण सुशासन की दिशा में जिला प्रशासन की प्रतिबद्धता को दर्शा रहा है। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार नागरिकों को उनकी समस्याओं का समयबद्ध समाधान प्रदान किया जा रहा है। इसी क्रम में शिकायतकर्ता अभय राजपूत एवं अजय राजपूत द्वारा डोलरिया सबस्टेशन अंतर्गत ग्राम बमुरिया में कृषि लाइन को घरेलू फीडर से जोड़कर 24 घंटे विद्युत आपूर्ति किए जाने से उत्पन्न समस्या के निराकरण हेतु कलेक्टर के समक्ष आवेदन प्रस्तुत किया गया था। कलेक्टर द्वारा इस मामले में तत्काल संज्ञान लेते हुए संबंधित विभाग (एमपीईबी) को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए।निर्देशों के परिपालन में विभागीय टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर जांच की गई, जिसमें पाया गया कि 33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र डोलरिया से जुड़े 11 के.व्ही. बाईखेडी कृषि फीडर के 12 पोल क्षतिग्रस्त होने के कारण ग्राम बमुरिया के 4 वितरण ट्रांसफार्मरों से जुड़े 30 कृषि पंप उपभोक्ताओं को कृषि फीडर से विद्युत आपूर्ति नहीं हो पा रही थी। इसके चलते वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में इन उपभोक्ताओं को 11 के.व्ही. डुडूगांव घरेलू फीडर से बिजली प्रदाय की जा रही थी। समस्या के समाधान हेतु डोलरिया वितरण केंद्र द्वारा आवश्यक स्वीकृति प्राप्त कर क्षतिग्रस्त विद्युत लाइनों का सुधार कार्य पूर्ण किया गया तथा कृषि फीडर को पुन: सुचारू किया गया। अब ग्राम में कृषि एवं घरेलू विद्युत आपूर्ति को पृथक-पृथक फीडरों से व्यवस्थित कर दिया गया है। सभी कृषि पंप कनेक्शन 11 के.व्ही. बाईखेडी फीडर से एवं घरेलू कनेक्शन 11 के.व्ही. डुडूगांव फीडर से संचालित किए जा रहे हैं। समस्या के समाधान के पश्चात शिकायतकर्ता अभय राजपूत एवं अजय राजपूत से संपर्क कर जानकारी ली गई, जिसमें उन्होंने समाधान को संतोषजनक बताते हुए जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

वरिष्ठ पत्रकार सुरिंदर सिंह अरोरा ने मुख्यमंत्री राहत कोष में 5 हजार की राशि दान की

नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम जिले के वरिष्ठ पत्रकार सुरिंदर सिंह अरोरा उर्फ बडडे भैया ने 2 मई को अपने जन्मदिन के उपलक्ष में जरूरतमंदों के लिए मुख्यमंत्री राहत कोष में 5100 रुपए की राशि दान की। वरिष्ठ पत्रकार श्री अरोडा ने सोमवार को 5100 रुपए की दान राशि का चेक कलेक्टर सोमेश मिश्रा को दिया। वरिष्ठ पत्रकार श्री अरोरा ने बताया कि वह विगत कई वर्षों से अपने जन्मदिन 2 मई को मुख्यमंत्री राहत कोष में 5100 रुपए की राशि दान करते आ रहे हैं। इस वर्ष भी अपने 68 वे जन्मदिन पर उन्होंने अपनी परंपरा को निभाते हुए राहत कोष में 5100 रुपए की राशि दान की।

डॉ साक्षी शर्मा का सामाजिक समरसता राष्ट्रीय एकता मंच ने किया सम्मान

नर्मदापुरम (निप्र)। पुलिस विभाग में कार्यरत समाज के प्रति निरंतर सक्रिय रहने वाले सकारात्मक ऊर्जा से सराबोर समाजसेवी संजीव शर्मा की बेटी ने साक्षी शर्मा ने एमबीबीएस की उत्कृष्ट पढ़ाई करते हुए डॉक्टर की पदवी को अंगीकृत किया। इस उपलक्ष में सामाजिक समरसता राष्ट्रीय एकता मंच द्वारा नेहरू पार्क में उनके सम्मान में कार्यक्रम आयोजित करते हुए नर्मदांचल की होनहार बेटी का सभी सदस्यों ने आत्मीयता के साथ सम्मान किया। मनाया मजदूर दिवस संगठन द्वारा नेहरू पार्क में ही पूर्व वर्ष की तरह इस वर्ष भी मजदूर दिवस मनाया गया। इस संबंध में अपने विचार व्यक्त करते हुए मजदूरों के साथ हुए शोषण अन्याय की प्रस्तुति की एवं मजदूर दिवस अमर रहे के नारे लगाए। उक्त कार्यक्रम में संस्था के संरक्षक कृपाल सिंह राजपूत अध्यक्ष अरुण दीक्षित अशोक दिवोलिया फादर विलियम मसीही लखन रघुवंशी केएन त्रिपाठी केके शर्मा डॉक्टर मयंक तोमर चंद्रशेखर आजाद तिवारी बद्री प्रसाद कौरव मोहम्मद असलम खान ओम प्रकाश मालवीय किरण शर्मा जय वाला निगम संजीव शर्मा के बेटा एवं बेटी सहित अन्य सदस्यों उपस्थित हुए।

जन जन की भागीदारी से वृहद रुप लेता ''नीर पखेरु अभियान''

नर्मदापुरम (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में प्रदेशभर में जल संवर्धन एवं जल संरक्षण की दिशा में संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत नर्मदापुरम जिले में एक अभिनव पहल की गई है। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशन में भीषण गर्मी के दौरान पक्षियों के लिए दाना-पानी की व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु नीर पखेरू अभियान का संचालन किया जा रहा है। एक सकोरा पानी, पक्षियों की जिंदगानी थीम पर आधारित यह अभियान जिले में वृहद स्तर पर संचालित हो रहा है और अब जन-जन का आंदोलन बनता जा रहा है। अभियान के माध्यम से पक्षियों के संरक्षण एवं उन्हें गर्मी के इस कठिन समय में भोजन एवं पानी उपलब्ध कराने की भावना घर-घर तक पहुंच रही है। अभियान में विभिन्न स्वयंसेवी संगठनों, शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों, विभिन्न कार्यालयों के साथ-साथ बच्चों एवं बुजुर्गों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिल रही है।

पोर्टल बनाने वाले क्या तेरे मन में आया, तूने काहे को पोर्टल बनाया-लक्ष्मण गौर

नर्मदापुरम। जागरूक व वरिष्ठ किसान लक्ष्मण गौर ने पोर्टल व सर्वर व्यवस्था पर तंज और व्यंग्य कसते हुए एक गीत की पैरोडी के अनुसार कहा कि पोर्टल बनाने वाले क्या तेरे मन में आया तूने काहे को पोर्टल बनाया। वास्तव में देखा जाए तो जितने भी स्थान पर पोर्टल व्यवस्था चल रही है। वहां पर सर्वर की समस्या या पोर्टल सही से संचालित नहीं होने की समस्या आम बात है। जहां एक और किसान अपनी उपज बेचने के लिए स्लाट बुक करने की कोशिश करता है तो पोर्टल सही तरीके से काम नहीं करता है। शासन की योजना के अनुसार जिनको राशन मिलता है जब वे राशन दुकान पर राशन लेने के लिए जाते हैं तो वहां भी यही समस्या आ जाती है पोर्टल नहीं चल रहा है। सर्वर गडबड़ है। जब यह सर्वर सही तरीके से नहीं चल पाता है तो फिर इसका कोई तोड़ होना चाहिए था। उसका विकल्प तैयार करना था। ऐसी आधी अधूरी व्यवस्था बनाकर नागरिकों को किसानों को तथा आम जनता को बेहद परेशान करने वाले इस पोर्टल व सर्वर को बनाने वाले को बहुत धिक्कारा जाता है। सच में चाहे बैंक हो या सरकारी काम काज जहां देखो वहां पर सर्वर नहीं चल रहा है। फिर तो जहां से सर्वर गडबड़ है उस पर जुर्माना लगाया जाना चाहिए आम लोग सर्वर का इंतजार क्यों करें। क्या आम नागरिक सर्वर बनाने वाले या सर्वर संचालित करने वाले के नौकर हैं जो जहां पर सर्वर नहीं चलने के कारण परेशान होते हैं या वहां पर सर्वर ठीक होने का इंतजार करने के लिए खड़े रहते हैं। उनका समय क्या फालतू है। ऐसे कई सवाल सर्वर व पोर्टल को लेकर नागरिकों के मन में उमड़ते घुमड़ते रहते हैं।

प्रतिभा सम्मान समारोह हेतु बैठक हुई

नर्मदापुरम (निप्र)। विवेकानंद युवा मंडल नर्मदापुरम की बैठक अध्यक्ष प्रसन्न हर्णे की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में तय किया गया कि पूर्व वर्षों की तरह इस वर्ष भी कक्षा दसवीं एवं 12 वीं में इस वर्ष अपने विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त विद्यार्थी जो की नर्मदापुरम क्षेत्र के विद्यालयों से हैं उनका सम्मान समारोह आयोजित करने पर चर्चा हुई है। सम्मान समारोह का आयोजन आगामी 15 मई को करने का निर्णय लिया गया कार्यक्रम की विस्तृत सूचना हेतु आगामी 12 मई को पत्रकार वार्ता का आयोजन किए जाने का निश्चय हुआ है। बैठक का आयोजन भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिला महामंत्री एवं वरिष्ठ नेता प्रसन्न हर्णे के हर्णे गली स्थित कार्यालय संवाद पर हुआ। बैठक में विवेकानंद युवा मंडल नर्मदापुरम के अध्यक्ष प्रसन्न हर्णे रामविलास मालवीय सूरत सिंह राजपूत गंभीर राजपूत देवी सिंह राजपूत चमनपुरी गोस्वामी नेमीचंद विश्वकर्मा प्रकाश चौरे चरण सिंह अजय शर्मा एवं कार्यालय प्रभारी सुधीर तिवारी उपस्थित थे।

मीना वर्मा को मिली प्रदेश महासचिव की जबावदारी

नर्मदापुरम (निप्र)। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देशानुसारए संगठन प्रभारी महासचिव डॉ संजय कामले एवं सभी प्रकोष्ठों एवं विभागों के प्रभारी डॉ महेंद्र सिंह चौहान की सहमति से नगरीय निकाय प्रकोष्ठ में पूर्व में नगर पालिका अध्यक्ष रह चुकी वर्तमान में पार्षद श्रीमती मीना वर्मा को प्रदेश महासचिव बनने पर अनेक वरिष्ठ कांग्रेसियों ने बधाई व शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। श्रीमती वर्मा ने कहा कि मुझे पार्टी द्वारा जब भी जो भी जबावदी दी है उसे निभाने के लिए पूरी तन्मयता से कोशिश करती हूं। यह नियुक्तियां सिर्फ पद नहीं। बल्कि जनता की आवाज़ को बुलंद करने की जिम्मेदारी हैं।

पॉलीटेक्निक महाविद्यालय नर्मदापुरम में प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ

नर्मदापुरम (निप्र)। शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय नर्मदापुरम के प्राचार्य डॉ पीसी नरवरे ने जानकारी देते हुए बताया कि डिप्लोमा इन इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम अंतर्गत शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय, नर्मदापुरम में संचालित ब्रांच सिविल, मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल, कम्प्यूटर साइंस एवं मॉडर्न आफिस मैंनेजमेंट, सत्र 2026-2027 में प्रवेश हेतु ऑनलाईन पंजीयन प्रारम्भ हो गया है। संचालनालय तकनीकी शिक्षा मध्य प्रदेश द्वारा जारी ऑनलाइन काउंसलिंग समय सारणी ;वर्ष 2026.27 के अनुसार संस्था में विभिन्न डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया प्रारम्भ हो गई है। प्रथम चरण के अंतर्गत ऑनलाइन पंजीयन की प्रक्रिया 04 मई 2026 से 29 मई 2026 तक संचालित की जाएगी। ईच्छुक अभ्यर्थी इस अवधि में पंजीयन कर अपनी पसंदीदा संस्थाओं एवं पाठ्यक्रमों का चयन कर सकते हैं। पंजीयन में सुधार की सुविधा 30 मई 2026 से 31 मई 2026 तक उपलब्ध रहेगी। इसके पश्चात् मेरिट सूची जारी होने एवं सीट आबंटन की प्रक्रिया निर्धारित तिथियों के अनुसार पूर्ण की जाएगी। महाविद्यालय में सिविल इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग एवं मॉडर्न आफिस मैंनेजमेंट आदि रोजगारान्मुगखी पाठ्यक्रमों में प्रत्येक ब्रांच में 60 सीट प्रवेश हेतु उपलब्ध हैं।द्वितीय चरण की काउंसलिंग प्रक्रिया 09 जून 2026 से 18 जून, 2026 तक आयोजित की जाएगी जिसमें पुन: पंजीयन संशोधन एवं चॉइस फिलिंग का अवसर दिया जाएगा। संस्थागत स्तर की काउंसलिंग के माध्यम से रिक्त सीटों पर प्रवेश 06 जुलाई 2026 से 12 अगस्त 2026 तक किया जाएगा। प्राचार्य द्वारा बताया गया कि संस्थान में लैब, अनुभवी प्राध्यापक एवं रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रमों के माध्यम से छात्र.छात्राओं को उत्कृष्ट तकनीकी शिक्षा प्रदान की जाती है, नर्मदाचंल के विद्यार्थियों के लिए यह सुनहरा अवसर है कि वे समय.सीमा के भीतर प्रवेश हेतु आवेदन कर अपने भविष्य को नई दिशा दें। प्रवेश बढाने हेतु संस्था की टीम द्वारा नगर एवं आसपास के गांव में संपर्क कर विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को प्रवेश संबंधी जानकारी प्रदान की जा रही है। 10वीं उत्तीर्ण विद्यार्थियों के सुनहरे भविष्य को देखते हुए तकनीकी शिक्षा बहुत उपयोगी है। इसमें विद्यार्थियों को अंतिम वर्ष के आते.आते नामी कंपनियों में रोजगार के अवसर प्लेसमेंट सेल द्वारा प्रदान किया जाता है। वर्तमान में अधिक जानकारी के लिए अभ्यर्थी तकनीकी शिक्षा विभाग की अधिकारिक वेबसाईट पर जाकर एवं रजिस्ट्रेशन में यदि किसी प्रकार की कोई असुविधा होती है तो छात्र.छात्राएं महाविद्यालय के विभागाध्यक्ष आरआर चन्द्राकर.7999982337 एवं देवेश तिवारी.7999832684 से संपर्क कर अथवा महाविद्यालय पहुँच कर प्रवेश प्रक्रिया से संबंधित जानकारी प्राप्त कर सकते है एवं नजदीकी एमपीऑनलाईन कियोस्क पर संपर्क कर प्रवेश की जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

श्रमिकों को मिला बकाया भुगतान, त्वरित कार्रवाई से 75 हजार रुपये दिलाए गए

नर्मदापुरम(निप्र)। जिला प्रशासन द्वारा प्राप्त शिकायतों के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण के तहत श्रमिकों को बड़ी राहत मिली है। श्रम कार्यालय में प्राप्त एक शिकायत में आवेदक प्रेमचंद्र सहित अन्य 5 श्रमिकों (निवासी ग्राम कचनरवा, तहसील रावतसगंज, जिला सोनभद्र, उत्तर प्रदेश) द्वारा मोहासा (तहसील माखननगर) स्थित ग्रू सोलर कंपनी में मजदूरी कार्य के बकाया भुगतान नहीं किए जाने की शिकायत दर्ज कराई गई थी। प्रकरण में तत्काल संज्ञान लेते हुए श्रम निरीक्षक सुश्री सरिता साहू द्वारा कार्यालय स्तर पर दोनों पक्षों के मध्य बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान ठेकेदार संस्था पालीवाल कंस्ट्रक्शन के माध्यम से शिकायतकर्ताओं को कुल 75,000 रुपये की बकाया मजदूरी का भुगतान कराया गया। साथ ही श्रमिकों को 3,000 रुपये की वापसी यात्रा राशि भी प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त श्रमिकों के लिए भोजन की व्यवस्था कराई गई तथा उनका पंजीयन उत्तर प्रदेश भवन निर्माण श्रमिक योजना के अंतर्गत कराया गया। शिकायतकर्ताओं ने प्रशासन द्वारा की गई त्वरित कार्रवाई पर संतोष व्यक्त करते हुए आभार प्रकट किया।

कृषि मंडी में हुई भारतीय किसान की बैठक

नर्मदापुरम (निप्र)। भारतीय किसान संघ तहसील एवं नगर इकाई की बैठक कृषि उपज मंडी में प्रांतीय संगठन मंत्री भरत पटेल की उपस्थिति में संपन्न हुई। संगठन मंत्री का कहना था कि तहसील की बैठक नियमित एवं निश्चित दिनांक को होना आवश्यक है। जिससे क्षेत्र की किसानों की समस्याओं से संगठन अवगत होता है और प्रशासन के साथ समन्वय बिठाकर उनका हल करने का प्रयत्न करता है। यही नहीं उनका कहना था कि तहसील इकाई के अध्यक्ष के साथ ही नगर के संयोजक प्रतिमाह किसानों से संबंधित विभागों जैसे कृषि हॉर्टिकल्चर विद्युत आदि विभाग के अधिकारियों के साथ आवश्यक रूप से बैठक करें और किसानों के लिए शासन द्वारा लागू की जा रही योजनाओं की जानकारी लेकर उन तक पहुंचाएं। किसानो की फसल का भुगतान न होने की समस्या को उन्होंने गंभीरता के साथ सुना और भोपाल स्तर पर इस पर कार्यवाही किए जाने का आश्वासन दिया है। निसाड़ियां के किसान गोपाल चोरे का कहना था कि मेरे द्वारा 31 क्विंटल गेहूं बेचा गया जिसका भुगतान 81400 होता है लेकिन पोस्ट ऑफिस में मेरे खाते का पैसा लेने जब मैं गया तब मुझे मात्र 10000 ब मुश्किल थमाए गए। चर्चा के दौरान किसानों ने इस वर्ष समर्थन मूल्य पर मूंग खरीदी मात्र 25 प्रतिशत करने पर अपनी आपत्ति जताई और कहा कि किसान इसको स्वीकार नहीं करेगा। वहीं किसानों का कहना था कि सरकार अपने सॉफ्टवेयर में सुधार करें और एक खाते में पांच नाम होने पर या चार नाम होने पर एक ही व्यक्ति के नाम ओटीपी जारी करें वर्तमान में इस विसंगति के कारण किसानों को भारी कष्ट का सामना करना पड़ रहा हैण। बैठक में प्रतिवर्ष की भांति अन् संग्रह अभियान पर भी चर्चा हुई। जिसमें सभी प्रतिनिधियों ने संगठन को भरपूर सहयोग देने का आश्वासन दिया। बैठक में इस बात पर भी निर्णय हुआ कि अब ग्राम इकाई की बैठक में भी तहसील एवं जिले के पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे। लगभग 1 घंटे चली बैठक का समापन ध्वज अवतरण के बाद संपन्न हुआण। बैठक में जिला अध्यक्ष ओंकार सिंह राजपूत तहसील मंत्री लाला पटेल संभागीय सदस्य ग्यारस पटेल प्रवक्ता शिवमोहन सिंह जेपी चौहान नगर संयोजक राजेंद्र सिंह ठाकुर सूर्यांश रघुवंशी जितेंद्र जामोद राजकुमार चौधरी नवाब चौधरी अनिल चौरे गोपाल चौरे आदि कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

राहत मामलों में पीड़ितों को त्वरित उपलब्ध कराएं सहायता, सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए संपदित करें प्रक्रिया : कलेक्टर सोमेश मिश्रा

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने सोमवार को आयोजित समय-सीमा की बैठक के दौरान अधिकारियों को निर्देशित किया कि सड़क एवं अन्य दुर्घटनाओं से संबंधित मामलों में पीड़ितों को राहत राशि का शीघ्र भुगतान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि ऐसे संवेदनशील मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या विलंब स्वीकार्य नहीं किया जाएगा। कलेक्टर श्री मिश्रा ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे इन प्रकरणों को प्राथमिकता के आधार पर लेते हुए त्वरित कार्यवाही करें और पीड़ितों तक समय पर सहायता पहुंचाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए संकट की घड़ी में प्रभावित व्यक्तियों को तत्काल राहत प्रदान की जाए। बैठक में कलेक्टर ने निर्देशित किया कि सभी विभाग आपसी समन्वय से कार्य करते हुए राहत कार्यों को प्रभावी ढंग से संपादित करें।बैठक के दौरान कलेक्टर श्री मिश्रा ने सीएम हेल्पलाइन की विभागवार समीक्षा करते हुए समस्त जिला अधिकारियों को निर्देशित किया कि नॉन-अटेंडेड शिकायतों की संख्या शून्य रखना सुनिश्चित करें। उन्होंने सीएम हेल्पलाइन शिकायतों को अन अटेंडेड रखने पर विभिन्न अधिकारियों को जुर्माने जमा किए जाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने समीक्षा के दौरान सहायक यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग सोहागपुर यतेंद्र छारी, सीईओ माखननगर रंजीत ताराम, सीईओ केसला सुमन खातरकर, सीईओ पिपरिया प्रबल अरजरिया, एसएडीओ सोहागपुर एसके बर्दे, सीएमओ इटारसी ऋतु मेहरा को 500 रुपए प्रति शिकायत के अनुसार राशि को रेड क्रॉस सोसायटी (सहायता कोश) में जमा किए जाने के निर्देश दिए।

मिट्टी एवं गिट्टी का अवैध परिवहन करते 02 वाहन जप्त जिला प्रशासन की कार्यवाही जारी

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर महोदय के निर्देशानुसार जिले में रेत एवं अन्य गौण खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन, ओवरलोड खनिज परिवहन एवं बिना ढके रेत का परिवहन करने वाले वाहनों के विरूद्ध सतत् कार्यवाही की जा रही है। जिसके अनुक्रम में खनिज विभाग द्वारा दिनांक 04/05/2026 को औद्योगिक क्षेत्र मोहासा, तहसील-माखननगर से 01 डम्पर क्रमांक-MP66H1520 को मिट्टी खनिज के अवैध उत्खनन / भण्डारण में लिप्त पाये जाने पर जप्त कर पुलिस थाना माखननगर की अभिरक्षा में सुरक्षार्थ खड़ा किया गया है एवं ग्राम-सहेली, तह0-इटारसी से 01 डम्पर क्रमांक--RJ17GB0670 को गिट्टी खनिज का ओवरलोड परिवहन करते पाये जाने पर जप्त कर पुलिस थाना केसला की अभिरक्षा में सुरक्षार्थ खड़ा किया गया है।

सुर वाणी तबला क्लास के विद्यार्थियों ने नगर का गौरव बढ़ाया

नर्मदापुरम। हिंदुस्तान आर्ट एवं म्यूजिक सोसायटी द्वारा आयोजित संगीत तबला वादन प्रतियोगिता में सुर वाणी संगीत संस्था द्वारा संचालित तबला क्लास के बिद्यार्थी सुमुख दीवान, यश यादव अनवय परसाई ने प्रथम एवं घनश्याम चौधरी एवं कुशाग्र सैनी ने तृतीय स्थान प्राप्त कर नगर एवं संस्था का गौरव बढ़ाया। उक्त सभी विद्यार्थी पंडित रामसेवक शर्मा के मार्गदर्शन में ताल साधना कर रहे है। उनकी इस उपलब्धि पर नगर के कलाकारों एवं संगीत प्रेमियों ने बधाई दी।

नर्मदापुरम जिले में उर्वरको की पर्याप्त उपलब्धता है : उप संचालक, कृषि

नर्मदापुरम (निप्र)। उपसंचालक, कृषि द्वारा अवगत कराया गया कि नर्मदापुरम जिले में खरीफ सीजन हेतु यूरिया, एनपीके व एसएसपी उर्वरको की उपलब्धता लगातार कराई जा रही है। आज जिले को 1300 मे.टन यूरिया पिपरिया व 1300 मे.टन यूरिया इटारसी एन.एफ. रैक से प्राप्त हुआ है जिसका डिस्पेच चल रहा है। वर्तमान में उर्वरको की कमी नहीं है। डबल लॉक केंद्रो में पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध है। खरीफ सीजन में आज दिनांक तक जिले को लगभग 17669 मे. टन यूरिया, 5659 मे.टन टीएसपी व. 9074 मे.टन एनपीके उर्वरक प्राप्त हुआ है। जिसमें से 850 मे. टन यूरिया, 153 मे.टन टीएसपी. 282 मे.टन एनपीके उर्वरको का वितरण किसानो को किया जा चुका। आज दिनांक तक जिले के डबल लॉक केंद्र नर्मदापुरम में 2104 मे टन यूरिया, 181 मे. टन टीएसपी, इटारसी में 1159 मे.टन यूरिया, 257 मे.टन टीएसपी. माखननगर में 1104 मे.टन यूरिया 315 मे. टन टीएसपी, सेमरीहरचंद में 1067 मे.टन यूरिया, 357 मे.टन टीएसपी बानापुरा में 2812 मे.टन यूरिया, 153 मे.टन टीएसपी व पिपरिया में 1529 मे.टन यूरिया 224 मे. टन टीएसपी व सभी डबल लॉक केन्द्रों में 6447 मे.टन एन.पी. के उर्वरक उपलब्ध है। इसी प्रकार जिले की समितियों में लगभग 3500 मे.टन यूरिया उर्वरक है व निजी विकेताओं के पास भी पर्याप्त मात्रा में यूरिया, एनपीके व एसएसपी उर्वरक उपलब्ध है।

अवैध शराब पर इटारसी पुलिस सख्त फरार आरोपी नागपुर से गिरफ्तार

इटारसी(निप्र)। नर्मदापुरम मुखबिर द्वारा थाना इटारसी में सूचना मिली कि एक सफेद रंग की टाटा कार में भरकर कुछ लोगो के द्वारा बैतूल मार्ग से होते हुए भारी मात्रामें अवैध रुप से शराब भरकर इटारसी में खपाने के उद्देश्य से लाई जा रही जिसे तुरत पहुंचकर पकडा जा सकता है जिसमें वरिष्ठ अधिकारियो के निर्देश पर कार्यवाही कर आरोपी अब्दल जाहिद अंसारी एंव हेमंत राजपूत के कब्जे से एक टाटा जेस्ट कार से 26 पेटी शराब ;कल 241 -200 लीटर शराब सहित 6,45,000,7. रुपये का मशरुका जप्त किया गया था, एंव उक्त प्रकरण में सह आरोपी संदीप मिहानी घटना दिनाँक से ही फरार चल रहा था, जिसे की इटारसी पुलिस द्वारा लगातार खोजा जा रहा था साथ ही सायबर टीम की मदद से आरोपी को लगातार ट्रेस किया जा रहा था, जिस पर 01 मई को पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि आरोपी नागपुर के आस पास लुक छिप रहा है जिस पर आरोपी संदीप मिहानी पिता शकंरलाल मिहानी उप्र 38 वर्ष निवासी भाट मोहल्ला इटारसी की पता तलाश हेतू टीम का गठन किया गया। त्वरित एक्शन लेते हुए टीम को नागपुर के लिए रवाना किया गया इस दौरान सायबर टीम की सहायता तथा मौके पर आरोपी की सजगता से तलाशी करते हुए आरोपी संदीप मिहानी को नागपर से गिरफ्तार किया गया है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक गौरव बुंदेला उनि विपिन पाल, आर 555 महेन्द्र गर्जर आर 450 मनीष आर 741 राजकुमार झपाटे सायबर टीम से आर 905 संदीप यदुवंशी आर 907 दीपेश शामिल रहे।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिटर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित।
स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com